गोल्ड टेस्ट देवदत्त पडिक्कल.. 09

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली... 11

वर्ष - 02, अंक - 134 | गाजियाबाद / सोमवार 17 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री समेत दिग्गजों ने किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने अटल जी के राष्ट्रसेवा, सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों और मूल्य आधारित राजनीति में योगदान को याद किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि अद्भुत दूरदर्शिता वाले असाधारण राजनेता के रूप में उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया तथा उनके नेतृत्व ने देश को मजबूत बनाया। सुशासन और जनकल्याण पर उनका जोर हमेशा मार्गदर्शन करता रहेगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने अटल बिहारी वाजपेयी को देशभक्त राजनेता बताते हुए कहा कि उन्होंने जीवन का एक-एक क्षण देश सेवा को समर्पित किया। उनके नेतृत्व में परमाणु परीक्षण और कारगिल युद्ध के दौरान भारत की सामरिक शक्ति का दुनिया को परिचय हुआ। वहीं, मूल्य आधारित राजनीति के जरिए उन्होंने अंत्योदय और सुशासन की अवधारणा को जमीन पर उतारा। शाह ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व और नेतृत्व भाजपा कार्यकताओं को राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल जी ने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय लोकतंत्र को समृद्ध किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना के साथ काम किया और राजनीति को राष्ट्रहित व जनसेवा का माध्यम माना। उनके नेतृत्व में भारत ने सामरिक शक्ति, आर्थिक विकास और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कीं।

गाय को चारा खिलाना और मोर को दाना मेरी दिनचर्या: प्रधानमंत्री

● पीएम ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया नया वीडियो

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस की सुबह के खास पल को शेयर किया। पीएम मोदी अपने आवास पर गायों को चारा और मोर को दाना खिलाने के बाद लालकिले के लिए निकले थे। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार दोपहर को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे अपने सरकारी आवास पर मोरों और पुंगनूर गायों के साथ नजर आए।

उन्हें 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर रखी देसी और छोटे आकार की गायों को खाना खिलाते और प्यार से सहलाते हुए देखा गया। फिर अपने हाथों से मोरों को दाने खिलाए। उन्होंने बताया कि गायों और मोरों को शायद यह एहसास हो गया था कि वे लाल किले पर होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए जल्दी निकलेंगे। इसलिए, राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए रवाना होने से पहले ही वे उनसे मिलने आ गए। हर सुबह अपने 'दोस्तों' को खाना खिलाना मेरी दैनिक दिनचर्या है। पीएम मोदी के साथ इन मुलाकातों में जिस नस्ल का जिक्र हुआ है, उनमें आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले की छोटे आकार की गायें शामिल हैं। इस नस्ल को दुनिया की सबसे छोटी गायों की नस्लों में से एक माना जाता है। इन गायों की ऊंचाई सिर्फ 70 से 90 सेंटीमीटर के आसपास होती है।

नौसेना के नाविक, उसकी पत्नी और दो बच्चों के शव घर में मिले

मुंबई, (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के एक नाविक, उनकी पत्नी और उनके दो नाबालिग बच्चे दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित नेवी नगर में अपने आवास पर मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, नाविक की मौत आत्महत्या से होने की आशंका है, जबकि उनकी पत्नी और दो बच्चों, जिनकी उम्र दो महीने और तीन वर्ष बताई गई है, की मौत जहर देने के कारण होने की आशंका है। हालांकि, मौतों की वास्तविक परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हो सकी हैं। पुलिस ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मामले की आगे जांच जारी है।

किसानों के दिल्ली कूच का ऐलान, खनौरी बॉर्डर सील

संगरूर,(एजेंसी)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों ने एक बार फिर दिल्ली कूच का ऐलान किया है। पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में प्रस्तावित पदयात्रा को देखते हुए जींद में खनौरी-दातासिंहवाला बॉर्डर सील कर दिया गया। किसानों को दिल्ली की तरफ बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने रास्तों पर बैरिकेडिंग, भारी पत्थर और कंटेनर लगा दिए हैं, ताकि किसानों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। बता दें कि जगजीत सिंह डल्लेवाल की अगुवाई में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने 16 अगस्त से 'किसान बचाओ पदयात्रा' शुरू करने का ऐलान किया था। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में निकाला जा रहा यह पैदल मार्च दातासिंहवाला से शुरू होकर 29 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पहुँचने वाला था। किसानों के इस 228 किलोमीटर लंबे मार्च को देखते हुए हरियाणा पुलिस ने खनौरी बॉर्डर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। खनौरी-दातासिंहवाला सीमा पर हरियाणा की तरफ जाने वाला रास्ता बंद कर दिया गया। पुलिस ने पहले यहां 5 लेयर की बैरिकेडिंग खड़े किए हैं। रास्ते में कंटेनर तथा बड़े पत्थर रखे गए हैं, जिससे आवाजाही सीमित रहे। दरअसल, प्रशासन की कोशिश है कि किसानों का जत्था हरियाणा में प्रवेश करके दिल्ली की तरफ आगे न बढ़ सके. इसके लिए बॉर्डर पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

बंगाल के पूर्व डिप्टी स्पीकर ने की खुदकुशी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और पांच बार के तृणमूल कांग्रेस विधायक आशीष बनर्जी का शव रविवार सुबह बीरभूम जिले के रामपुरहाट में उनके आवास से सटे टीएमसी कार्यालय के अंदर फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आधिकारिक जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शव के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। आशीष बनर्जी को ममता बनर्जी का करीबी माना जाता था। उसके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। सूचना के बाद घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को तुरंत पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

केन्द्र ने रिफाइनरियों और उत्पादकों के लिए तय किए एलपीजी उत्पादन लक्ष्य

● आपूर्ति संबंधी जोखिम को कम करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और आयातित रसोई गैस की आपूर्ति में होने वाले व्यवधानों के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सरकार ने पहली बार सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की रिफाइनरियों के साथ-साथ तेल एवं गैस उत्पादकों के लिए रिफाइनरी-वार और कंपनी-वार एलपीजी उत्पादन लक्ष्य तय किए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आदेश के जरिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके तहत आपूर्ति में कमी आने पर 21 रिफाइनरियों और अपस्ट्रीम कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाना होगा। नए ढांचे के तहत कुल संभावित उत्पादन क्षमता 63,810 टन प्रतिदिन तय की गई है। यह भारत की दैनिक एलपीजी खपत का लगभग 70 प्रतिशत है और देश के सामान्य घरेलू उत्पादन से काफी अधिक है।

यह कदम हालिया पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद उठाया गया, जिसने आयातित एलपीजी आपूर्ति पर भारत की निर्भरता और उससे जुड़े जोखिमों को उजागर किया। भारत में हर साल लगभग 3.32 करोड़ टन (करीब 91,000 टन प्रतिदिन) एलपीजी की खपत होती है। इसमें से केवल 1.31 करोड़ टन एलपीजी का उत्पादन देश में होता है, जबकि जरूरत का 64 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। इनमें से अधिकांश एलपीजी की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते होती है। इस साल की शुरूआत में ईरान से जुड़े संकट के दौरान इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से शिपमेंट में व्यवधान के कारण सरकार को आपातकालीन कदम उठाने पड़े थे। संकट के चरम पर घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर लगभग 55,000 टन प्रतिदिन कर दिया गया था। हालांकि, आपूर्ति की स्थिति में सुधार होने के बाद इन आपातकालीन निर्देशों में धीरे-धीरे ढील दे दी गई।

यूजीसी-नेट समेत 3 परीक्षाओं का री-टेस्ट, सितंबर में होगी परीक्षा

● उम्मीदवारों से दोबारा नहीं लिया जाएगा परीक्षा शुल्क

अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र के प्रश्नपत्रों में मिलीं कई खामियां

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी-नेट जून 2026, जॉइंट सीएसआईआर-नेट और आईसीएआर एआईईईए (पीजी) की प्रोविजनल आंसर की जारी करने के बाद अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का फैसला किया है। इन तीनों विषयों का री-टेस्ट सितंबर में आयोजित किया जाएगा। एनटीए के अनुसार संबंधित उम्मीदवारों से दोबारा परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा।

एनटीए के मुताबिक विशेषज्ञ कमेटी की जांच में तीनों प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, टाइपिंग और अनुवाद संबंधी कई खामियां सामने आईं। इनमें कई विद्वानों के नाम गलत लिखे जाने, पुस्तकों के शीर्षकों में त्रुटियां और सवालों की भाषा में व्याकरण, लिंग-वचन तथा विराम चिह्न संबंधी गलतियां शामिल हैं। कुछ प्रश्नों में स्थापित अवधारणाओं के लिए गैर-मानक शब्दों का इस्तेमाल भी पाया गया।

जांच में यह भी सामने आया कि कई प्रश्न पिछली परीक्षाओं में पूछे गए सवालों से हूबहू दोहराए गए थे। कमेटी ने इन खामियों को देखते हुए निष्पक्ष और त्रुटिरहित परीक्षा के लिए तीनों विषयों की परीक्षा दोबारा कराने की सिफारिश की।

एनटीए ने कहा कि प्रश्नपत्रों में मिली गड़बड़ियां इतनी व्यापक थीं कि केवल आंसर की पर आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया के दौरान कुछ प्रश्न हटाकर समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता था। ऐसे में उम्मीदवारों के हित और परीक्षा की निष्पक्षता को ध्यान में रखते हुए री-टेस्ट कराने का निर्णय लिया गया है।

जिन उम्मीदवारों ने पहले इन विषयों की परीक्षा दी थी, उन्हें दोबारा आवेदन या परीक्षा शुल्क जमा नहीं करना होगा।

वंदे मातरम के प्रति कांग्रेस का कोई सम्मान नहीं : नितिन नवीन

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के कथित अपमान को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आजादी के आठ दशक बाद भी कांग्रेस का वंदे मातरम के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

नितिन नवीन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत गाए जाने के दौरान सोनिया गांधी ने उसे रोकने का इशारा किया। उन्होंने इसे कांग्रेस की सोच का परिचायक बताते हुए कहा कि देश की जनता समझ चुकी है कि भारत माता के इस पावन गीत से असहज होने वाली कांग्रेस की भारतीयता से कितनी जुड़ी हुई है।

एक अन्य पोस्ट में भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केरल में कांग्रेस सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से वंदे मातरम को पूरी तरह हटा दिया। उन्होंने इसे तुष्टिकरण की राजनीति करार देते हुए कहा कि कांग्रेस ने उन स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है, जिन्होंने इस गीत को अपने होठों पर रखकर देश के लिए बलिदान दिया था।

वहीं, भाजपा विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर घटना पर दुख जताया। उन्होंने कांग्रेस से वंदे मातरम के पूरे संस्करण के गायन से जुड़ी घटना के लिए देशवासियों, विशेषकर पश्चिम बंगाल के लोगों से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

चटर्जी ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाए जाने के दौरान सोनिया गांधी की कथित बेचैनी और उसे रोकने की कोशिशों से उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने इसे ऐतिहासिक गलती की पुनरावृत्ति बताते हुए कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार का वंशज होने के नाते वे इस घटना से बेहद आहत हैं।

सुखबीर बादल अस्पताल से डिस्चार्ज, एनआईए जांच की मांग

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) प्रमुख और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उन्हें महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित गुरुद्वारे में हुए हमले के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 13 अगस्त 2026 को नांदेड़ में हुए हमले और 4 दिसंबर 2024 को अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर के बाहर हुए हमले के प्रयास की एनआईए से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने हमले में इस्तेमाल किरपान और घायल हाथ की तस्वीरें भी साझा की हैं।

बताया गया है कि नांदेड़ गुरुद्वारे में निहंग वेशधारी व्यक्ति ने सुखबीर बादल पर हमला किया था। इससे पहले दिसंबर 2024 में स्वर्ण मंदिर के बाहर भी उन पर हमले का प्रयास हुआ था।

नांदेड़ गुरुद्वारे में हमले के बाद मेदांता में थे भर्ती

हरसिमरत कौर ने दोनों घटनाओं को बड़ी साजिश की आशंका से जोड़ते हुए पंजाब पुलिस और आम आदमी पार्टी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 के हमले का आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहा है और उसे आईएसआई से जुड़ा बताया गया है।

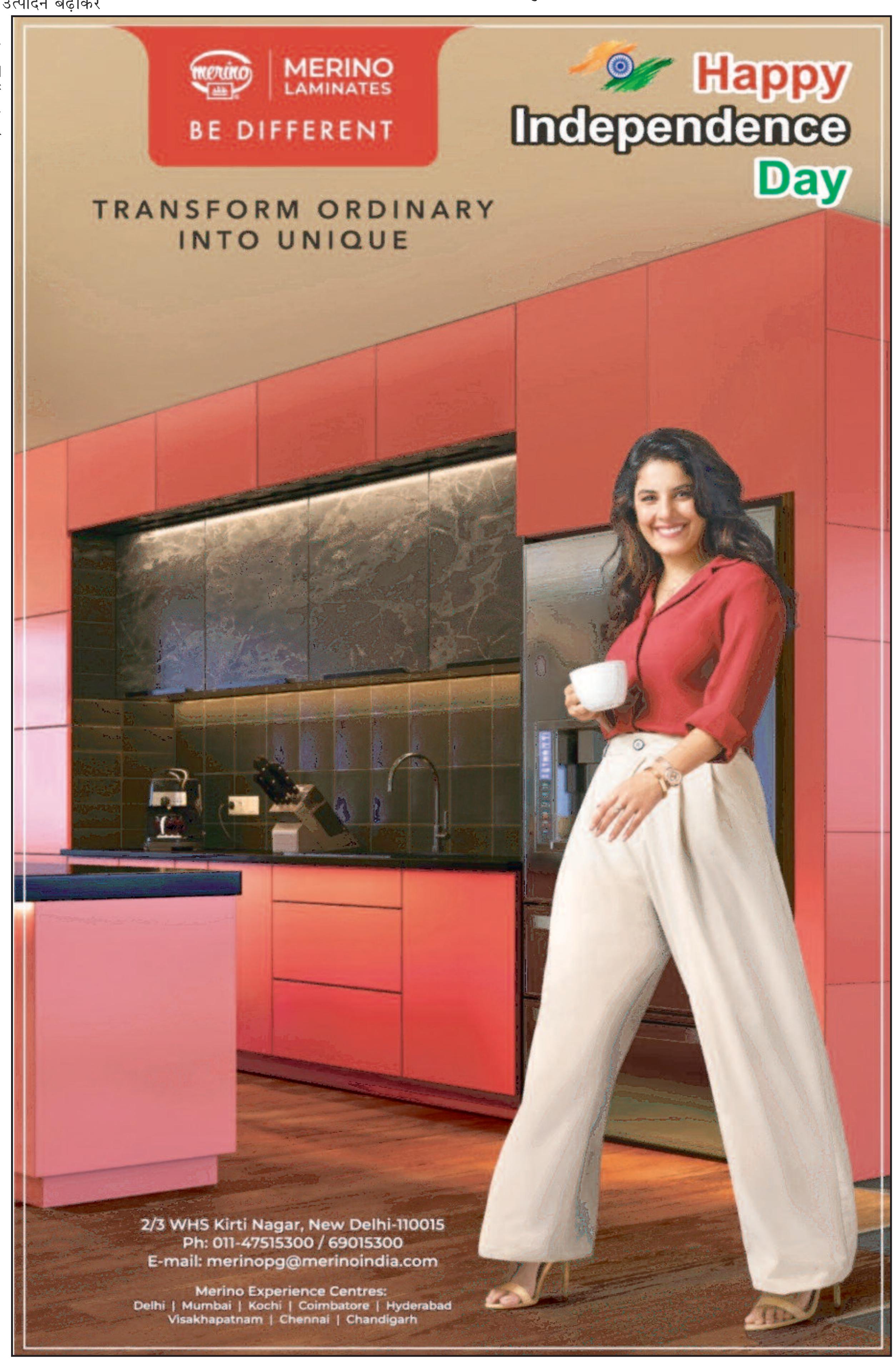

कंटेनर ने ऑटो को रौंदा, 7 लोगों की मौत , झारखंड में भीषण सड़क हादसा

लातेहार (एजेंसी)। झारखंड के लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के तहत आने वाले लोहरदगा-चंदवा मुख्य मार्ग पर स्थित डेढ़टंगवा घाटी में एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। इस दर्दनाक हादसे में कुल सात लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लोहरदगा की तरफ से आ रहा एक भारी कंटेनर घाटी के तीखे ढलान पर अचानक पूरी तरह से अनियंत्रित हो गया। बेकाबू हुए इस कंटेनर ने सबसे पहले चंदवा से लोहरदगा जा रहे एक बाइक और ऑटो को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण टक्कर के कारण बाइक पर सवार एक महिला और बच्चे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा, ऑटो में सवार चार लोगों की भी मौत होने की पुष्टि हुई है। एक के बाद एक दो वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने से घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और भारी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने इस मामले में आगे की कानूनी जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

किसानों का दिल्ली कूच का ऐलान : हरियाणा-पंजाब बॉर्डर सील, बढ़ा तनाव

जींद (एजेंसी)। किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान के बाद, हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर को देर रात सील किया गया है, जिससे जींद सहित सीमावर्ती इलाकों में तनाव बढ़ गया है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के प्रमुख नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में 16 अगस्त से किसान बचाओ पदयात्रा शुरू करने का आह्वान किया है। यह 228 किलोमीटर लंबी पदयात्रा दातासिंहवाला से शुरु होकर 29 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर समाप्त होगी। किसानों को राजधानी पहुंचने से रोकने के लिए जींद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। बॉर्डर पर पाँच लेयर की कड़ी बैरिकेडिंग के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है, ताकि किसानों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। इससे पहले, शनिवार को जींद में किसान नेताओं और पुलिस के बीच मामूली झड़प भी देखने को मिली थी, जिससे स्थिति की गंभीरता और बढ़ गई है। इस पैदल यात्रा में 51 मुख्य किसानों के अलावा 200 अन्य किसान भी शामिल हैं।

गुरदासपुर जिले में पेड़ पर गुब्बारे में पाकिस्तानी झंडा लगा मिला, मचा हड़कंप

गुरदासपुर (एजेंसी)। गुरदासपुर जिले में पाकिस्तानी झंडा और गुब्बारा मिलने की सूचना मिली है। जिले के कलानौर थाने के बॉर्डर गांव रसूलपुर के खेतों में सफेदे के पेड़ पर पाकिस्तानी झंडा और गुब्बारे लटके मिले। जानकारी के मुताबिक सुबह गांव के बाहर नहर विभाग की माइनर सड़क पर पेड़ से गुब्बारों से बंधे दर्जनों हरे और सफेद रंग के पाकिस्तानी झंडे लटके देखे गए। जब कलानौर थाने को इन गुब्बारों और पाकिस्तानी झंडे की सूचना मिली, तो पुलिस मौके पर पहुंची और गांव के सरपंच भी मौके पर पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने सफेदे के पेड़ पर लटके पाकिस्तानी झंडे और गुब्बारों को अपने कब्जे में लिया। पाकिस्तानी गुब्बारों पर दिल दिल पाकिस्तान लिखा था। इस बीच जब इस संबंध में थाना प्रमुख कलानौर से बात की तो उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गुब्बारों को अपने कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर अचानक चली गोली, दो कर्मचारी घायल

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के हथियार से अचानक गोली चल गई। इस घटना में एयरपोर्ट पर तैनात दो सुरक्षा कर्मचारी घायल हो गए। घटना के बाद कुछ समय के लिए पूरे टर्मिनल भवन में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह करीब 9:30 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पर सब कुछ सामान्य था। आजमगढ़ निवासी कमलेश राय (55) अपनी पत्नी के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जाने के लिए पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को पहले ही जानकारी दे दी थी कि उनके पास लाइसेंसी हथियार मौजूद है। नियम के मुताबिक हवाई यात्रा के दौरान लाइसेंसी असलहे को जमा करके पायलट केबिन में सुरक्षित रखा जाता है। इसके लिए हथियार से मैगजीन को अलग करना जरूरी होता है। जब यात्री कमलेश अपनी पिस्टल से मैगजीन निकाल रहे थे, तभी अचानक पिस्टल का ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। गोली चलते ही मौके पर तैनात दो सुरक्षाकर्मी इसकी चपेट में आ गए। एक महिला कर्मचारी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरी गोली पुरुष कर्मचारी के हाथ को छूती हुई निकल गई। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज जारी है।

पंजाब भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल से नाराजगी, धड़ाधड़ इस्तीफे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब भाजपा में हालिया संगठनात्मक फेरबदल के बाद अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। पार्टी ने करीब दो सप्ताह के भीतर छह जिला अध्यक्षों को बदल दिया है। जिसके बाद कई पुराने और वरिष्ठ नेताओं ने विरोध जताते हुए संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। सबसे ज्यादा विरोध होशियारपुर में देखने को मिला। जिला अध्यक्ष के बदले जाने के बाद वरिष्ठ नेता तीक्ष्ण सूद ने संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दिया। उनके समर्थन में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सामूहिक इस्तीफे की बात सामने आई है। फरीदकोट में भी जिला अध्यक्ष बदलने के विरोध में मंडल अध्यक्ष सहित करीब 10 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया है।

नगर निगम में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस, 80 फीट तिरंगे के साथ निकली भव्य रैली

गाजियाबाद (शिखर समाचार) गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर निगम अधिकारियों, पार्षदों, कर्मचारियों और अन्य उपस्थित लोगों ने देशभक्ति के नारे लगाए तथा वंदे मातरम् और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया।

समारोह के बाद नगर निगम मुख्यालय से दुर्गा भाभी चौक तक भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में नगर निगम के विद्यालयों की छात्राओं और अध्यापिकाओं के साथ महापौर, नगर आयुक्त तथा अन्य लोग शामिल हुए। रैली का मुख्य आकर्षण 80 फीट लंबा तिरंगा रहा। विशाल तिरंगे के साथ निकली रैली ने शहर में देशभक्ति का माहौल बना दिया। महापौर और नगर आयुक्त ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें चॉकलेट वितरित कीं। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद राजीव शर्मा भी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक युवा और नागरिक को तिरंगे का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के साथ हर मन तिरंगा की भावना को भी अपनाने की जरूरत है। युवाओं को स्वतंत्र विचार और सकारात्मक सोच के साथ देश तथा अपने शहर को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने नगर निगम विद्यालयों की छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ये छात्राएं प्रदेश और देश में शहर का नाम रोशन कर रही हैं।

महापौर सुनीता दयाल ने स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि आज देशवासियों को मिली स्वतंत्रता वीर शहीदों के संघर्ष और बलिदान की देन है। उन्होंने बिना अपने प्राणों की चिंता किए देश को आजाद कराने वाले वीरों को याद करते हुए कहा कि देश, प्रदेश और शहर को समृद्ध बनाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर निगम ने शहरवासियों से स्वच्छता बनाए रखने की भी अपील की। महापौर और नगर आयुक्त ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। स्वच्छता अभियान में पार्षदों, सामाजिक संस्थाओं और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों सहित विभिन्न संगठनों का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने सभी से इसी सहयोग और सहभागिता को आगे भी जारी रखने की अपील की।

स्कूलों में देशभक्ति कार्यक्रम, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मुरादनगर (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुरादनगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर पालिका, विद्यालयों और व्यापारिक संगठनों में तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को नमन किया गया। विद्यालयों में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कई स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

नगर पालिका में पूर्व विधायक ने फहराया तिरंगा

नगर पालिका परिषद परिसर में पूर्व विधायक वहाब चौधरी ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम् के साथ हुई। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के लंबे संघर्ष और बलिदान के कारण देशवासियों को आजादी मिली। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने लोगों से एक-एक पौधा लगाने का आह्वान किया, जिसके बाद परिसर में पौधारोपण किया गया। अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

विद्यालयों में देशभक्ति प्रस्तुतियों ने बांधा समां

केसीएम पब्लिक स्कूल में प्रबंधक रामकिशन बंधु ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय में तीज पर्व भी हर्षोल्लास से मनाया गया। लीलावती रामगोपाल सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भाजपा प्रदेश मंत्री बसंत कुमार त्यागी, अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता और

प्रबंधक अमित गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। बसंत कुमार त्यागी ने विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

व्यापार मंडल और सरस्वती शिशु मंदिर में भी कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की ओर से न्यू जिला पंचायत मार्केट में नगर अध्यक्ष शहजाद चौधरी ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, स्वतंत्रता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु मंदिर में ओवलिनो बिजनेस इंटेलिजेंस के प्रबंध निदेशक अमरीश त्यागी, जेमस्टोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अवनीश त्यागी और समाजसेवी डॉ. अरुण कुमार सैन ने ध्वजारोहण किया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य संजीव राजपूत, श्रीनिवास गोयल, रमन गोयल, वीरेंद्र गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे। विभिन्न कार्यक्रमों में दिनभर देशभक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

वन विभाग ने अजगर का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा, मोर का शव पोस्टमार्टम को भेजा

हापुड़ (शिखर समाचार) बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर काकौड़ी गांव में खेत के पास एक विशाल अजगर ने राष्ट्रीय पक्षी मोर को दबोच लिया। अजगर मोर को निगलने का प्रयास कर रहा था। मोर की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने शोर मचाकर अजगर को पीछे हटाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद मोर को उसके चंगुल से बाहर निकाला, लेकिन तब तक गंभीर रूप से घायल मोर की मौत हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार रविवार को गांव के कुछ ग्रामीण जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान उन्होंने एक बड़े अजगर को मोर को अपनी जकड़ में लिए देखा। अजगर मोर को निगलने का प्रयास कर रहा था। ग्रामीणों ने डंडों की मदद से अजगर को पीछे हटाया और मोर को बचाने का प्रयास किया। काफी प्रयास के बाद मोर को अजगर के चंगुल से छुड़ा लिया गया, लेकिन अजगर की जकड़ और हमले से मोर गंभीर रूप से घायल हो चुका था। कुछ ही देर में उसने मौके पर दम तोड़ दिया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वनकर्मियों ने सावधानीपूर्वक अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे आबादी से दूर घने जंगल में छोड़ दिया। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। जिला वन अधिकारी गौतम कुमार ने बताया कि मृत मोर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार राष्ट्रीय पक्षी का अंतिम संस्कार कराया जाएगा। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में निगरानी भी बढ़ा दी है।

जिलाधिकारी ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता सेनानियों और राज्य आंदोलनकारियों को किया सम्मानित

हरिद्वार (शिखर समाचार) जनपद में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय परिसर में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने ध्वजारोहण किया। इससे पूर्व देशभक्ति गीत वंदेमातरम का गायन हुआ। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर शहीदों के त्याग एवं बलिदान के कारण देश आजादी का अमृत अनुभव कर रहा है। उनके सपनों को साकार करने के लिए सभी को अपने दायित्वों का निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। कार्यालयों में अपनी समस्याएं लेकर आने वाले लोगों की शिकायतों और कार्यों का बिना

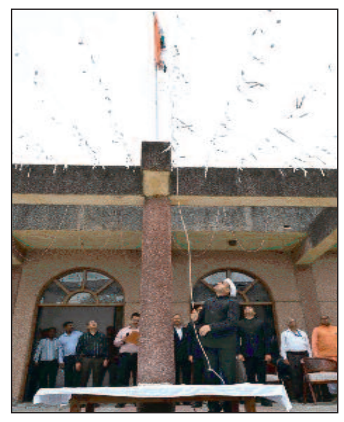

किसी भेदभाव के प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए, ताकि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। समारोह में जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, उनके परिजनों और राज्य आंदोलनकारियों को पुष्पमाला एवं शॉल भेंटकर सम्मानित

किया। कांवड़ मेले के दौरान गंगा के तेज बहाव में फंसे श्रद्धालुओं का सफलतापूर्वक बचाव करने के लिए बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप केंद्र के दल प्रमुख सूबेदार कुलविंदर सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। आनंदमयी सेवा सदन इंटर कॉलेज की छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए और उन्हें पुरस्कार दिए गए। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र ने कलेक्ट्रेट परिसर में लाल चंदन का पौधा रोपा। अधिकारियों और कर्मचारियों ने आपदा प्रबंधन विभाग एवं एकुम्स कंपनी के सहयोग से चंदन और गुलमोहर के 100 पौधे लगाए। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने शिविर कार्यालय में भी ध्वजारोहण किया।

कुंभ मेला कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

हरिद्वार (शिखर समाचार) कुंभ मेला अधिष्ठान की ओर से केंद्रीय नियंत्रण कक्ष परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। मेलाधिकारी सोनिका ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। पुलिस गार्ड की टुकड़ी ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत के गायन के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने, राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान देने तथा आगामी कुंभ मेले को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मेलाधिकारी सोनिका ने अधिकारियों, कर्मचारियों और मेला कार्यों से जुड़े कार्मिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आगामी कुंभ मेला-2027 में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के हरिद्वार पहुंचने की संभावना है। ऐसे में मेला प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि कुंभ मेला धार्मिक आयोजन के साथ हरिद्वार और उत्तराखंड की संस्कृति, परंपरा, आतिथ्य और व्यवस्थागत क्षमता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर भी है। सभी कार्मिक टीम भावना से कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएं। समारोह में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, उप मेलाधिकारी आकाश जोशी एवं मनजीत सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक

संचार विपिन कुमार, क्षेत्राधिकारी अरुण पाल, अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार सहित अधिकारी, कर्मचारी और श्रमिक मौजूद रहे। संचालन धर्मेंद्र सिंह ने किया। इससे पूर्व सोनिका ने इंद्रमणि बडोनी पार्क में स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में बरगद और नीम के पौधे भी रोपे।

पारदर्शिता और निष्पक्षता से कार्य करने के दिए निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार) जनपद में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण में दावों एवं आपत्तियों की प्रक्रिया का गढ़वाल मंडल के आयुक्त आनंद स्वरूप ने जायजा लिया। उन्होंने पन्नालाल भल्ला नगरपालिका इंटर कॉलेज तथा श्री मुनि मंडल संस्कृत महाविद्यालय, कनखल स्थित बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं बूथ स्तरीय अधिकारियों से प्राप्त दावों-आपत्तियों और उनके निस्तारण की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

बूथ संख्या 55, पन्नालाल भल्ला नगरपालिका इंटर कॉलेज में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि मानचित्रण के संबंध में 299 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें 117 लोगों की सुनवाई की जा चुकी है। विसंगतियों के संबंध में 100 लोगों

को नोटिस जारी किए गए थे, जिनका शत-प्रतिशत निस्तारण कर लिया गया है। बूथ संख्या 96, श्री मुनि मंडल संस्कृत महाविद्यालय में मानचित्रण के लिए 85 लोगों को नोटिस दिए गए, जिनमें 42 की सुनवाई हो चुकी है। वहीं विसंगतियों से संबंधित 210 नोटिसों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया जा चुका है।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और भेदभाव रहित तरीके से संचालित की जाए। दावों एवं आपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों की संवेदनशीलता के साथ जांच कर पात्र व्यक्तियों के दावों का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से नहीं हटना चाहिए। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से पालन करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट हरि गिरि, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बूथ स्तरीय अधिकारी और संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

देशभक्ति से लेकर भारतीय संस्कृति तक दिखा उत्साह, 300 महिलाओं ने हरियाली तीज में लिया हिस्सा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) सिद्धार्थ विहार स्थित एसजी शिखर हाइट्स सोसाइटी में स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज के अवसर पर देशभक्ति, सांस्कृतिक विविधता, महिला प्रतिभा और सामुदायिक एकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दोनों आयोजनों में सोसाइटी के निवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर राष्ट्रीय पर्व और पारंपरिक उत्सव की खुशियां साझा कीं। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुआ। सोसाइटी के निवासियों ने तिरंगे को नमन करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनिमार्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता और नींबू दौड़ आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों और अन्य प्रतिभागियों ने देशभक्ति गीतों एवं नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना को जीवंत किया। तिरंगे की शान और देशभक्ति गीतों से पूरा परिसर उत्साह और गौरव से भर उठा। हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं के लिए विशेष रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 300 महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ढोल, तिलक और पारंपरिक स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद एकल एवं समूह नृत्य, गायन, कविता और शायरी की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। विभिन्न महिला समूहों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। तीज समारोह का विशेष आकर्षण 'मिसेज तीज 2026' रैंप वॉक और सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता रही। प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों में रैंप पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सर्वश्रेष्ठ परिधान, केश सज्जा, श्रृंगार, आत्मविश्वास और रैंप वॉक सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों का चयन किया गया। मनोरंजक खेलों और सरप्राइज गतिविधियों ने कार्यक्रम के उत्साह को और बढ़ा दिया। दोनों आयोजनों ने राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति, महिला सशक्तीकरण, प्रतिभा प्रदर्शन और सामुदायिक एकजुटता का संदेश दिया। सोसाइटी के निवासियों ने कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेकर उन्हें सफल बनाया। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और निवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्रीय पर्व और त्योहारों को यादगार बनाने के साथ लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने तथा प्रतिभाओं को मंच देने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

हर घर तिरंगा अभियान में सहभागिता, देशभक्ति कार्यक्रमों ने बांधा समां

हापुड़/पिलखुवा (शिखर समाचार) सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। भारत सरकार के ह्यहर घर तिरंगा अभियान-2026ह्ल के तहत आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के खेल मैदान में ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक डॉ. जे. रामचंद्रन और उपाध्यक्ष डॉ. रम्या रामचंद्रन ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में शिक्षा, अनुशासन और सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने कार्यों के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

समारोह में ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन, निदेशक रघुवार दत्त, प्रधानाचार्या डॉ. बरखा गुप्ता और चिकित्सा अधीक्षक

मेजर जनरल डॉ. चरंजीत सिंह अहलूवालिया सहित संस्थान के अधिकारी मौजूद रहे। डॉ. बरखा गुप्ता ने विद्यार्थियों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। मेजर जनरल डॉ. चरंजीत सिंह अहलूवालिया ने कहा कि चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, भाषण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के वीरों और शहीदों को नमन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत किया। समारोह में संस्थान के चिकित्सकों, फैकल्टी सदस्यों, विद्यार्थियों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। पूरे परिसर में तिरंगे की शान और देशभक्ति का माहौल बना रहा।

तिरंगे की रोशनी से जगमगाया जीडीए परिसर, उपाध्यक्ष ने जनसेवा को बताया सच्ची राष्ट्रभक्ति

गाजियाबाद (शिखर समाचार) देश के ८०वें स्वतंत्रता दिवस पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण परिसर में गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्ण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्राधिकरण परिसर को तिरंगे के रंगों वाली आकर्षक रोशनी से सजाया गया। शाम होते ही परिसर केसरिया, सफेद और हरे रंग की रोशनी से जगमगा उठा और आसपास का क्षेत्र भी देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत के सामूहिक गायन से हुआ। इसके बाद उपाध्यक्ष ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। इस दौरान पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से ओत प्रोत दिखाई दिया। उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और अपने कर्तव्यों का मूल्यांकन करने का दिन भी है। प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को नियमित रूप से यह विचार करना चाहिए कि वह राष्ट्र निर्माण और जनसेवा में कितना योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि देशसेवा केवल सीमा पर तैनात सैनिकों तक सीमित नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सकता है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों की जिम्मेदारी अधिक है, क्योंकि आम नागरिक उनके कार्य और व्यवहार से शासन व्यवस्था का आकलन करता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। नियमों के दायरे में रहते हुए लंबित कार्यों को अनावश्यक रूप से रोके रखने के बजाय उनके शीघ्र निस्तारण का प्रयास होना चाहिए। किसी जरूरतमंद नागरिक की समस्या का समाधान कराना, उसके अधिकारों के अनुरूप कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करना और उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही वास्तविक जनसेवा तथा सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण शासन का अभिन्न अंग है और प्रत्येक कार्य जनहित एवं सरकार की मंशा के अनुरूप होना चाहिए। प्राधिकरण का उद्देश्य केवल विकास योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि गाजियाबाद को सुव्यवस्थित, सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शहर के रूप में विकसित करना भी है। समारोह में सचिव विवेक कुमार मिश्रा, अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी राजीव रतन सिंह, कनिका कौशिक, प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन सहित अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता और अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए पूरी निष्ठा से दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

घर की छत के रास्ते घुसकर गैस सिलेंडर चोरी करने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नंदग्राम थाना पुलिस ने घर में चोरी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया इंडेन कंपनी का गैस सिलेंडर बरामद किया है। आरोपी चोरी किए गए सिलेंडर को बेचने की फिराक में था, तभी सूचना पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। नंदग्राम थाना पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि चोरी का गैस सिलेंडर लेकर एक युवक उसे बेचने की कोशिश में जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घूकना क्षेत्र में घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके कब्जे से इंडेन कंपनी का एक गैस सिलेंडर बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरव कुमार पुत्र पप्पू कुमार, निवासी गली नंबर-7, जय डेरी के पास, घूकना, थाना नंदग्राम, कमिश्नरेट गाजियाबाद, उम्र करीब 24 वर्ष के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने गैस सिलेंडर चोरी करने की बात स्वीकार की और उसने सतीश चंद्र शर्मा के घर की छत के रोशनदान के रास्ते नीचे उतरकर रसोई में प्रवेश किया था। रसोई का ताला तोड़ने के बाद उसने वहां रखा गैस सिलेंडर चोरी कर लिया। रसोई की खिड़की से गैस सिलेंडर दिखाई दे रहा था, जिसे देखकर उसके मन में उसे चोरी करने का विचार आया। चोरी के बाद वह सिलेंडर को बेचने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे रास्ते में ही पकड़ लिया।

हजारों कार्यकताओं ने लगाए भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे, जगह-जगह हुआ स्वागत

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सपा नेता ठाकुर शेर सिंह राणा के नेतृत्व में दखोड़ी जमालपुर से भव्य तिरंगा मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। तिरंगा बाइक रैली दखोड़ी जमालपुर से शुरू होकर जलालाबाद, थानाभवन, हरड़ फतेहपुर, हिंड, सिलावर, भैंसवाल, मालेंडी, गोहरनी, बधेव और राझड़ होते हुए पलठेडी गांव पहुंची, जहां रैली का समापन हुआ। रैली में शामिल कार्यकताओं ने पूरे मार्ग में राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए देशभक्ति के नारे लगाए। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने रैली का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। ग्रामीणों ने रैली में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ाया और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। रैली के दौरान शेर सिंह राणा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का अवसर है। उन्होंने लोगों से देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना, डॉ. दीपा पंवार, श्यामपाल नौजल, सतीश चेयरमैन नौजल, प्रेमपाल राणा गोगमा, यशपाल, रूप सिंह, सुशील चंदेना, पूर्व प्रधान बबलू, संदीप राणा महाबतपुर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। तिरंगा रैली के दौरान क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना रहा।

आईएमएस गाजियाबाद में भव्यता से मनाया ८०वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईएमएस गाजियाबाद समूह संस्थान में राष्ट्रप्रेम, एकता और देशभक्ति की भावना से ओत प्रोत ८०वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि आचार्य प्रमोद कृष्णम, प्रसिद्ध कवयित्री एवं लेखिका अनामिका जैन अंबर, संस्थान के महासचिव सीए (डॉ.) राकेश छारिया तथा कार्यकारिणी परिषद सदस्य सीए विदुर छारिया ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर किया। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।समारोह में स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों को स्मरण करते हुए देश की एकता, अखंडता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। संस्थान के महासचिव राकेश छारिया ने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी भी है। आज के युवा विकसित और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला हैं। युवाओं को ज्ञान, कौशल और चरित्र के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए। मुख्य अतिथि आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी युवा पीढ़ी, संस्कृति और संस्कारों में निहित है। स्वतंत्रता दिवस व्यक्तिगत विकास के साथ राष्ट्र के विकास को प्राथमिकता देने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने युवाओं से देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने तथा भारतीय मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कवयित्री अनामिका जैन अंबर ने कहा कि देशभक्ति केवल शब्दों और भावनाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि कर्मों में दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने तथा अपनी जड़ों और मातृभूमि से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। उनके ओजपूर्ण काव्य पाठ ने समारोह में उत्साह भर दिया। कार्यकारिणी परिषद सदस्य विदुर छारिया ने कहा कि शिक्षण संस्थान का दायित्व विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाना भी है। समारोह के समापन पर उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और समृद्धि के साथ विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

मधुबन-बापूधाम में गूंजी वंदे मातरम की भावना, एक पेड़ देश के नाम के तहत हुआ पौधारोपण

गाजियाबाद (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की मधुबन बापूधाम योजना में वंदे मातरम् वाटिका विकसित करते हुए एक पेड़ देश के नाम अभियान के तहत विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने देश के नाम एक एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने हरिशंकरी का पौधा रोपित कर किया। इसके बाद प्राधिकरण के सचिव विवेक कुमार मिश्रा ने आंवला का पौधा लगाया। अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूली बच्चों ने विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधे रोपे। बच्चों ने उत्साह के साथ पौधारोपण करने के साथ लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस दौरान बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और पौधों की नियमित देखभाल के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। बच्चों ने पौधारोपण कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भागीदारी करते हुए प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझा। उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर लगाए गए पौधे आने वाले वर्षों में न केवल हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण का आधार बनेंगे, बल्कि बच्चों के राष्ट्रप्रेम और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना के प्रतीक भी होंगे। उन्होंने कहा कि देशभक्ति का भाव राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने के साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा में भी दिखाई देना चाहिए।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय उत्सव को पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी से जोड़ना रहा। वंदे मातरम् वाटिका के माध्यम से मधुबन बापूधाम क्षेत्र को अधिक हरा भरा और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में पहल की गई। आयोजन के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों और बच्चों में उत्साह का माहौल रहा।

टप्पेबाजी कर महिला के कान से कुंडल उतरवाने वाला शातिर गिरफ्तार, पीली धातु का कुंडल बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लिंक रोड थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर वांछित टप्पेबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से टप्पेबाजी की घटना से संबंधित पीली धातु का एक कान का कुंडल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सहताब पुत्र आसिफ अली, निवासी चांदमारी झुग्गी-झोपड़ी, बल्लू चौराहा, सम्राट चौक के पास, थाना विजयनगर, गाजियाबाद के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 25 वर्ष बताई गई है। पुलिस के मुताबिक मामले में उसका एक साथी इरफान उर्फ चुम्मन अभी वांछित है। चार जुलाई 2026 को विनीता पत्नी वीरू निवासी झंडापुर, लिंक रोड क्षेत्र ने थाने में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि वह दवाई लेने के लिए घर से निकली थीं। रास्ते में दो-तीन अज्ञात युवक उनके पास पहुंचे और बातचीत में फंसाकर धोखे से उनके कान के कुंडल उतरवा लिए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। घटना के खुलासे के लिए लिंक रोड पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। 11 जुलाई को पुलिस ने सूचना पर आरोपी पाशा को टप्पेबाजी से प्राप्त एक कान की बाली के साथ गिरफ्तार किया था। विवेचना के दौरान मामले में दो अन्य आरोपी वांछित पाए गए। इसके बाद 15 अगस्त को पुलिस टीम ने सूचना पर चेकिंग के दौरान वांछित आरोपी सहताब को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना से संबंधित एक कान का कुंडल बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में सहताब ने बताया कि चार जुलाई को उसने अपने साथी इरफान उर्फ चुम्मन और पाशा के साथ मिलकर सीईए कंपनी के सामने रोड पर एक महिला को बातचीत में फंसाया था। इसके बाद महिला के कान से बालियां उतरवाकर टप्पेबाजी की गई। घटना में मिले एक कुंडल को पाशा के पास रखा गया था, जबकि दूसरा उसके और इरफान उर्फ चुम्मन के पास था। वह बरामद कुंडल को बेचने के लिए घूम रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। मामले में वांछित इरफान उर्फ चुम्मन की तलाश जारी है। गिरफ्तार सहताब के खिलाफ लिंक रोड थाने में टप्पेबाजी से संबंधित एक मुकदमा पहले से दर्ज है।

सरकारी कार्यालयों से अस्पताल और नगर पालिका तक हुए कार्यक्रम, शहीदों को किया नमन

शामली (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शामली जिले में देशभक्ति और उत्साह का माहौल रहा। कलेक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील, ब्लॉक, जिला अस्पताल, नगर पालिका सहित विभिन्न सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकारियों ने स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया।

कलेक्ट्रेट में डीएम ने किया ध्वजारोहण

कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी आलोक यादव ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान एवं वंदे मातरम् का गायन हुआ। जिलाधिकारी ने राष्ट्र के प्रतीक गुब्बारों को आकाश में छोड़ा और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा कार्यालयों में आने वाले फरियादियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सोहनलाल सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

ध्वजारोहण के बाद जिलाधिकारी जिला चिकित्सालय पहुंचे और भर्ती मरीजों तथा उनके तीमारदारों को फल वितरित कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मरीजों का हालचाल जानने के साथ अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तृतीय कुमार सक्सेना सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

विकास भवन और सीएमओ कार्यालय में समारोह

विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल ने ध्वजारोहण कर शहीदों को नमन किया। सीएमओ कार्यालय परिसर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तृतीय कुमार सक्सेना ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान कांवड़ यात्रा में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाले चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें एसीएमओ डॉ. अतुल बंसल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. करण चौधरी, डॉ. शौर्य मलिक, एकांत और दीपक शर्मा शामिल रहे।

ब्लॉक, तहसील और नगर पालिका में भी कार्यक्रम

शामली ब्लॉक में ब्लॉक प्रमुख जयदेव मलिक ने ध्वजारोहण कर मिष्ठान वितरित किया। तहसील शामली में उपजिलाधिकारी सचिन राजपूत ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की कुर्बानियों को याद किया। नगर पालिका परिषद में भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी और चेयरमैन अरविन्द संगल ने ध्वजारोहण किया। बच्चों ने सांस्कृतिक एवं देशभक्ति प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

बेहट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बोलेरो और मोबाइल फोन भी बरामद

सहारनपुर (शिखर समाचार) नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बेहट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 804 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ 10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल बोलेरो कार, इलेक्ट्रॉनिक कांटा और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गंदेवड़ अड्डे से चिलकाना की ओर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में मिले तालिब निवासी असगरपुर, थाना मिजार्पुर और अमित उर्फ अनित निवासी बुठेड़ा, थाना सरसावा को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 804 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना बेहट में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े आरोपियों के आगे और पीछे के संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह दीक्षित के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक बलवीर सिंह, उपनिरीक्षक धीरज सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

राष्ट्र विकास के साथ उन्नति का संकल्प लेकर काम करें नागरिक : शाहनवाज

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों तथा विभिन्न प्रतिष्ठानों पर 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। नगरपालिका परिसर में आयोजित समारोह में पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान वक्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और विकास के प्रति अपने संकल्प को दोहराया। चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्र के विकास के साथ अपनी उन्नति का भी संकल्प लेकर पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। जब नागरिक अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे, तभी देश तेजी से प्रगति करते हुए आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं को शिक्षा, रोजगार और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़कर योगदान देना चाहिए। नागरिकों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। समारोह में अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार, सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला अध्यक्ष सुधीर धामा सहित अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पालिका अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी और वनाधिकारी ने किया लोकार्पण

बिजनौर (शिखर समाचार) राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक तिरंगे का गंगा बैराज स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में भव्य लोकार्पण किया गया। बिजनौर नगर पालिका परिषद की ओर से स्थापित किए गए विशाल राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह और प्रभागीय वनाधिकारी जय सिंह कुशवाहा ने संयुक्त रूप से विधि-विधान से किया। विशाल तिरंगे के स्थापित होने से गंगा बैराज की सुंदरता और आकर्षण भी बढ़ गया है।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने कहा कि नगर पालिका परिषद देश के गौरव के प्रतीकों और महापुरुषों को सम्मान दिलाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में गंगा बैराज पर राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर के विभिन्न प्रमुख चौराहों पर महापुरुषों की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सभासद और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह, सभासद हितेश सैनी, अमित ठाकुर, मानव सचदेवा, अफजाल पहाड़ी, लक्ष्मी वर्मा, विजय वर्मा, प्रभाकर, आशीष अग्रवाल, मनोरमा शर्मा, विजेंद्र सिंह, अभिषेक राणा, सचिन गुप्ता, राजा, प्रिंस और अर्पित चौधरी मौजूद रहे। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह, कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, अवर अभियंता सिविल यशवंत कुमार, कर निरीक्षक ऋषिपाल, सुंदर लाल, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, कर लिपिक नदीम अहमद और प्रकाश लिपिक तरुण कुमार सहित अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अंडर-17 राष्ट्रीय कबड्डी में रजत पदक जीतने पर मिली उपलब्धि

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव इटावा निवासी कबड्डी खिलाड़ी और डीएवी इंटर कॉलेज के कक्षा 12 के छात्र अवि राठी का राष्ट्रीय विद्यालय खेल पुरस्कार के लिए चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया। अवि को जिलाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक राकेश सरोहा ने बताया कि अवि राठी ने इसी वर्ष की शुरूआत में तेलंगाना में आयोजित अंडर-17 राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया था। उनकी खेल प्रतिभा और उपलब्धि को देखते हुए शासन स्तर पर उनका चयन राष्ट्रीय विद्यालय खेल पुरस्कार के लिए किया गया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़ौत रोड स्थित शिव होंडा प्रतिष्ठान पर अवि राठी के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिष्ठान संचालक प्रवीण राणा ने छात्र को पटका पहनाकर और महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा रचित ह्यसत्यार्थ प्रकाशह्न पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेने से विद्यार्थियों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। प्रवीण राणा ने कहा कि आज खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए रोजगार और करियर की भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने अवि राठी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य युवाओं से भी पढ़ाई के साथ खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

स्कूलों में देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों ने बांधा समां

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कस्बे और देहात क्षेत्र में 80वां स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, आन-बान और शान के साथ मनाया गया। सरकारी, अर्धसरकारी एवं निजी संस्थानों में ध्वजारोहण कर देश के अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। सहकारी संघ शाहपुर में उपसभापति बाबूराम ने ध्वजारोहण किया। थाना परिसर में थानाध्यक्ष गजेंद्र चौधरी, कस्बा पुलिस चौकी पर चौकी प्रभारी राहुल कुमार ने तिरंगा फहराया। शाहपुर पब्लिक स्कूल में प्रबंधक सिकंदर सिद्दीकी, मौलाना अबुल कलाम आजाद स्कूल में प्रबंधक राशिद खान, मॉर्निंग रोज स्कूल में प्रबंधक सारिक खान, कमला देवी इंटर कॉलेज कमालपुर में प्रबंधक ओमपाल सिंह, लिमरा एजुकेशनल पलड़ी में प्रबंधक अली मियां गाजी खान तथा डीएवी इंटर कॉलेज में प्रबंधक कर्ण सिंह ने ध्वजारोहण किया। कल्पना चावला इंटर कॉलेज में प्रबंधक सत्येंद्र पाल, द स्काईलैंड स्कूल में प्रबंधक राहुल गोयल एवं प्रधानाचार्य मनोज गोयल, न्यू मॉडर्न पब्लिक स्कूल बसधड़ा में प्रबंधक खुर्शीद सैफी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में वार्डन गीता, खंड शिक्षा संसाधन केंद्र में खंड शिक्षा अधिकारी संजय भारती, केपीएस स्कूल में प्रबंधक हसीन सैफी, बिजलीघर में अवर अभियंता श्यामकिशोर पंडित, राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में प्रबंधक सत्येंद्र बालियान तथा राजकीय डिग्री कॉलेज में प्रधानाचार्य हरीश कुमार ने ध्वजारोहण किया। चाणक्य अकादमी में समाजसेवी अरविंद पाल एवं प्रधानाचार्य जाहिद चौधरी ने तिरंगा फहराया। इस दौरान शहीदों को नमन कर उनके बलिदान को याद किया गया।

तिरंगे के साथ हजारों बच्चों ने निकाला भव्य मार्च पास्ट, देशभक्ति के रंग में रंगा शहर

शामली (शिखर समाचार) 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर करनाल रोड स्थित राष्ट्रीय किसान इंटर कॉलेज में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास विभाग के राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम् का गायन हुआ। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले महापुरुषों और वीर शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का अवसर है। वर्ष 1947 में लंबे संघर्ष और असंख्य बलिदानों के बाद देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों में अग्रणी है और अपनी सामर्थ्य के साथ पूरी दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा है।

उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से देश विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ा है। सड़क, रेल और जल कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ स्वास्थ्य, गरीब कल्याण और रोजगार के क्षेत्र में भी व्यापक कार्य हुए हैं। आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ एक्सप्रेसवे, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का दिन है। लाखों वीरों के बलिदान के कारण आज देशवासी स्वतंत्र वातावरण में सांस ले रहे हैं। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग शर्मा ने किया।

तिरंगे के साथ निकला भव्य मार्च पास्ट

कार्यक्रम के बाद राष्ट्रीय किसान इंटर कॉलेज से सिटी ग्रीन होते हुए दिल्ली रोड तक भव्य मार्च पास्ट निकाला गया। मुख्य अतिथि जसवंत सिंह सैनी, सुरेश राणा, जिलाधिकारी आलोक यादव, मुख्य विकास अधिकारी ब्रजेन्द्र शुक्ल, जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या लक्ष्मी जयसवाल, अमित मलिक सहित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने तिरंगे के साथ मार्च पास्ट में सहभागिता की। इसमें विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। घोष दल की देशभक्ति से ओतप्रोत धुनों और हाथों में लहराते तिरंगों के बीच पूरा शहर राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने बांधा समां, विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कुंद-कुंद जैन पब्लिक स्कूल में प्रबंधन की मौजूदगी में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों में राष्ट्रप्रेम, देश की एकता और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की। बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में देशप्रेम, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है। इस अवसर पर भारत रत्न एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर भी विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस मनाया। विद्यार्थियों ने सरदार पटेल को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति उनके योगदान को याद किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास और देश के निर्माण में महापुरुषों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी और प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में शान से लहराया तिरंगा, देशभक्ति के रंग में रंगा क्षेत्र

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़ क्षेत्र में 80वां स्वतंत्रता दिवस उमंग, हर्षोल्लास और देशप्रेम की भावना के साथ मनाया गया। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर सरकारी एवं गैर सरकारी भवनों पर ध्वजारोहण किया गया। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। गढ़ तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी श्रीराम यादव ने ध्वजारोहण किया। विधायक हरेंद्र तेवतिया और पूर्व विधायक एवं मंत्री मदन चौहान ने क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में पहुंचकर तिरंगा फहराया। नगर पालिका परिषद में पालिका अध्यक्ष राकेश बजरंगी ने ध्वजारोहण किया। सिंभावली किसान पीजी कॉलेज में प्रबंधन समिति के संदीप बिसला, सुभाष प्रधान एवं प्राचार्य विजय कुमार गर्ग ने तिरंगा फहराया। आरएसके इंटर कॉलेज में संदीप नीटू एवं शीशपाल सिंह ने तथा आरएसएम स्कूल में संदीप कुमार ने ध्वजारोहण किया।

सिंभावली ब्लॉक कार्यालय में खंड विकास अधिकारी श्रुति सिंह ने ध्वजारोहण किया, जबकि ग्राम पंचायत बीएम नगर में प्रधान कल्पना गोयल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सेंट कोलंबस स्कूल में निदेशक उमंग यादव और एसजीवी इंटरनेशनल स्कूल में चेयरमैन सुरेंद्र पाल ने ध्वजारोहण किया। डीएम पब्लिक स्कूल में राजेंद्र सिंह एवं प्रधानाचार्य मंजू सिंह ने तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया। भाजपा नेत्री ममता तेवतिया, पिंकी त्यागी और प्रोफेसर नीलम सिंह ने भी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों में सहभागिता की। धार्मिक स्थलों पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। गढ़ कोतवाली, थाना सिंभावली और थाना बहादुरगढ़ को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आकर्षक ढंग से तिरंगे के रंग में सजाया गया। पूरे क्षेत्र में दिनभर देशभक्ति का माहौल बना रहा और लोगों ने राष्ट्रीय पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

देशभक्ति प्रस्तुतियों के बीच शान से लहराया तिरंगा, तिरंगा रैली निकालकर दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार) पटेल नगर स्थित मदर लैब स्कूल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक नवीन गर्ग ने ध्वजारोहण कर किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने देश की एकता, अखंडता और सम्मान बनाए रखने का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य प्रीति गर्ग ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि देश की आजादी असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। उपप्रधानाचार्य नीतू राठी ने भी बच्चों को राष्ट्रप्रेम और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, कविताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को नमन किया। इसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भव्य तिरंगा रैली निकाली। रैली में बच्चों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए लोगों को राष्ट्रप्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया। तिरंगों से सजी रैली ने क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं रजनी त्यागी, आशा सिंह, संपदा त्यागी सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को राष्ट्रहित में ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करने का संदेश दिया गया।

यमुना प्राधिकरण में धूमधाम से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस, विकास योजनाओं को गति देने पर जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। अपने संबोधन में उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्ष और बलिदानों को याद करते हुए स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राधिकरण की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए भविष्य की विकास योजनाओं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शासन के निर्देशों को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया।

राकेश कुमार सिंह ने औद्योगिक समूह आधारित पार्कों के विकास और उनमें निवेश की संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने चिकित्सा उपकरण पार्क, परिधान पार्क, खिलौना पार्क, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पार्क, हस्तशिल्प पार्क, डाटा सेंटर पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क को क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया ने स्वतंत्रता प्राप्ति के इतिहास के साथ पिछले 80 वर्षों में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वास्थ्य, खाद्यान्न, अंतरिक्ष विज्ञान, मानव विकास, लोकतंत्र, निष्पक्ष चुनाव, भारतीय सेना, कंप्यूटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्षेत्र में देश की प्रगति का उल्लेख किया।

उन्होंने जेवर हवाई अड्डे के निर्माण से क्षेत्र में आने वाले औद्योगिक और रोजगार के अवसरों की भी जानकारी दी। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र और सेमीकंडक्टर उद्योग की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के कारण विमानन और विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहाल उद्योग के लिए भी नए अवसर खुलेंगे।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार ने स्वाधीनता और स्वतंत्रता के बीच अंतर बताते हुए इनके विभिन्न आयामों पर विचार व्यक्त किए। विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने स्वतंत्रता के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए देशप्रेम, सौहार्द और मानवता पर आधारित कविताओं एवं नज्मों के माध्यम से वातावरण में जोश भर दिया। महाप्रबंधक वित्त अशोक कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले स्कूली बच्चों और शिक्षकों को मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक परियोजना राजेंद्र भाटी, भूलेख विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी नंद किशोर सुंदरियाल, पुलिसकर्मी, भूतपूर्व सैनिक तथा प्राधिकरण के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर विशाल तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, दिल्ली-मेरठ मार्ग पर लगा जाम

मोदीनगर (शिखर समाचार) भाजपा की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सांसद, विधायक, पालिका अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य लोगों और क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान दिल्ली मेरठ मार्ग राष्ट्रभक्ति के नारों से गूंजता रहा। बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने के कारण मार्ग पर काफी समय तक यातायात प्रभावित रहा और जाम की स्थिति बनी रही। तिरंगा यात्रा मोदी मंदिर से शुरू हुई। यात्रा में बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, भाजपा विधायक डॉ. मंजू सिवाच और नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद वैशाली वाहन पर सवार रहे। यात्रा में भाजपा नेता डॉ. देवेंद्र सिवाच और नगर पंचायत निवाड़ी के अध्यक्ष अनिल त्यागी भी शामिल रहे। यात्रा जैसे ही दिल्ली-मेरठ मार्ग पर पहुंची, दोनों ओर बड़ी संख्या में नगरवासी तिरंगा लेकर खड़े दिखाई दिए। लोगों ने राष्ट्रभक्ति के जयकारे लगाकर यात्रा का उत्साह बढ़ाया। नगर में विभिन्न स्थानों पर तिरंगा यात्रा का स्वागत भी किया गया। यात्रा रुक्मणी मार्केट, बस स्टैंड, राज चौराहा, कपड़ा मिल और गोविंदपुरी से होते हुए शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। यहां सभी ने शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को याद किया। यात्रा के दौरान मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ने से लोगों को काफी देर तक जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। यात्रा में नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रामआसरे शर्मा, रालोद जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी, सत्येंद्र तोमर, भाजपा नेता आकाश शर्मा, स्वदेश जैन, सत्येंद्र त्यागी, सभासद मोनू धामा और विजय वाल्मीकि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शहीदों को नमन कर उनके आदर्शों पर चलने का किया आह्वान

शामली (शिखर समाचार) अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की ओर से माजरा रोड स्थित सुबोध मेडिकल परिसर में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके बाद देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीदों को नमन करते हुए माल्यार्पण किया गया। उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकुमार शर्मा गागौर और ओमप्रकाश शर्मा ने की। वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश की आजादी असंख्य वीरों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। आज की पीढ़ी का दायित्व है कि वह स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों और देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाए। वक्ताओं ने समाज के लोगों से राष्ट्रहित में एकजुट होकर कार्य करने तथा सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के सहारनपुर मंडल अध्यक्ष डॉ. उनेन्द्र कुमार शर्मा, जिलाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, नगर अध्यक्ष सुभाष चंद्र शर्मा, मंडल महामंत्री एडवोकेट विकास शर्मा, नगर महामंत्री अजय शर्मा, ब्राह्मण खाप चौधरी सतीश शर्मा बधेव, सोमदत्त शर्मा, राजू शर्मा और जयदेव शर्मा मौजूद रहे। महिला प्रकोष्ठ से मधु शर्मा और छवि शर्मा सहित समाज के अनेक लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति का वातावरण बना रहा और उपस्थित लोगों ने शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखने का संकल्प लिया।

इरॉस सम्पूर्णम में धूमधाम से मनाई हरियाली तीज, 250 से अधिक महिलाओं ने लिया उत्सव का आनंद

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) इरॉस सम्पूर्णम सोसायटी में हरियाली तीज का पर्व हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सोसायटी की 250 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने पारंपरिक गीत संगीत, नृत्य, खेल और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा की बिसरख मंडल मंत्री पूनम गौतम ने किया। इसका उद्देश्य महिलाओं को एक मंच पर लाने के साथ भारतीय संस्कृति और पारंपरिक त्योहारों की परंपराओं को जीवंत बनाए रखना रहा।

कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर की जिला मंत्री वंदना वानखेड़े तथा बिसरख मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष संगीता तिवारी सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ सामाजिक एकजुटता और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हैं। हरियाली तीज के अवसर पर सोसायटी परिसर में विशेष मेले का भी आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ मनोरंजन की गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। महिलाओं ने परिवार और सखियों के साथ मेले का आनंद लिया तथा विभिन्न पकवानों का स्वाद चखा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सम्पूर्णम मिस तीज 2026 प्रतियोगिता रही। इसमें गायत्री भारद्वाज, श्रुति सिंह, वर्षा श्रीवास्तव, अनूपा शुक्ला, किरण शर्मा, अनुराधा खंडेलवाल और अदिति सहित कई प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में अनूपा शुक्ला, किरण शर्मा और अदिति विजेता रहीं। इसके अलावा नृत्य, संगीत, खेल और रैंप वॉक सहित कई गतिविधियों ने आयोजन में उत्साह भर दिया। आयोजकों ने कहा कि हरियाली तीज भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जुड़ाव का पर्व है। ऐसे आयोजन महिलाओं को एक दूसरे से जुड़ने और सामूहिक रूप से खुशियां मनाने का अवसर देते हैं।

ध्वजारोहण के साथ निकली तिरंगा रैलियां, सामूहिक राष्ट्रगान में उमड़ा उत्साह

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। सरकारी, अर्द्धसरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, निजी प्रतिष्ठानों और घरों पर ध्वजारोहण किया गया। विद्यालयों में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कई स्थानों पर प्रभात फेरियां और तिरंगा रैलियां निकाली गईं, जिनमें देशभक्ति के नारे गूंजते रहे। उपजिलाधिकारी कार्यालय पर उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय पर क्षेत्राधिकारी राजेश सोलंकी, नगरपालिका कार्यालय पर पालिका अध्यक्ष ताहिरा बेगम एवं अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार तथा थाना नगीना में क्षेत्राधिकारी राजेश सोलंकी और थाना प्रभारी विकास कुमार ने ध्वजारोहण किया। प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन कार्यालय पर अध्यक्ष डॉ. रतेंद्र विश्नोई ने तिरंगा फहराया। विभिन्न विद्यालयों में भी प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों के कार्यक्रमों का उत्साहवर्धन किया।

समर्पण सेवा संस्थान के नेतृत्व में गांधी प्रतिमा पर 12वां सामूहिक राष्ट्रगान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 1857 के विद्रोह के दौरान 52 लोगों के साथ बलिदान देने वाले काजी कुदरत अली को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। उनके प्रपौत्र काजी अरशद मसूद को उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य लवकुश कुमार ने शॉल पहनाकर सम्मानित किया। वर्ष 2026 में अपने विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन समर्पण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रमोद चौहान ने किया। अंत में सचिव सचिन रुहेला सहित पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह में पूर्व सांसद मुंशीराम पाल, साहू कपिल अग्रवाल, अनिल, सौरभ मित्तल, सुभाष शर्मा, कयूम राइन, लवी मित्तल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण विरासत में नहीं मिलता, हर पीढ़ी को देना होता है योगदान : सौम्य श्रीवास्तव

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के प्रांगण में ध्वजारोहण समारोह उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी हमें विरासत में मिली है, लेकिन राष्ट्र का निर्माण विरासत में नहीं मिलता। इसके लिए हर पीढ़ी को अपने हिस्से का योगदान देना होता है।

सुबह आठ बजे ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगीत हुआ। इसके पश्चात सभागार में संबोधन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि प्राधिकरण शहरों का निर्माण करते हैं। आज बनाई जाने वाली सड़कों पर आने वाली पीढ़ियां चलेंगी। उद्योगों के लिए जमीन देने से केवल कारखाने नहीं लगते, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा होते हैं। आवासीय क्षेत्रों में केवल मकान नहीं बनते, बल्कि परिवार बसते हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की फाइलें महज कागज नहीं हैं, बल्कि उनमें किसी का रोजगार, किसी के सपने और किसी परिवार का भविष्य जुड़ा होता है। संस्था को बेहतर बनाने के लिए अनुभव और तकनीक के बीच तालमेल जरूरी है। इसके साथ ईमानदारी, संवेदनशीलता और जवाबदेही भी आवश्यक है। तिरंगे का सम्मान केवल सलामी देने में नहीं, बल्कि मिली जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने में है।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा कि सभी को आजादी के महत्व को समझना चाहिए। स्वतंत्रता सेनानियों के लंबे संघर्ष के बाद देश को आजादी मिली है और अब प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह देश को आगे बढ़ाने में योगदान दे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनसे टीम भावना के साथ ही निपटा जा सकता है।

विशेष कार्याधिकारी अभिषेक पाठक ने स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया, जबकि विशेष कार्याधिकारी मुकेश कुमार सिंह ने कविता के माध्यम से देश के सामने मौजूद चुनौतियों को रेखांकित किया। सावित्रीबाई फुले बालिका इंटर कॉलेज, मंथन और केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने वंदे मातरम् सहित विभिन्न देशभक्ति गीतों और प्रस्तुतियों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से भर दिया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित प्राधिकरण कार्यालय में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी गुंजा सिंह और अन्य अधिकारियों ने ध्वजारोहण किया। यहां भी देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए। समारोह में वित्त महाप्रबंधक स्वतंत्र गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी लवनीत कौर, प्रधान महाप्रबंधक संदीप चंद्रा, उप महाप्रबंधक विजय रावल, ग्रेटर नोएडा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सोनू भड़ाना सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विशेष कार्याधिकारी अर्चना द्विवेदी ने किया।

ग्रामीणों से संवाद कर समस्याएं जानीं, हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन

बिजनौर (शिखर समाचार) प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग तथा जनपद के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने रविवार को बाढ़ की आशंका के दृष्टिगत तहसील बिजनौर क्षेत्र के रावली बांध और गलखा देवी मंदिर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर जलस्तर, बांध की स्थिति और सिंचाई विभाग की ओर से किए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से क्षेत्र की स्थिति और तैयारियों की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। प्रभारी मंत्री ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं जानीं। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि किसी भी परिस्थिति में प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

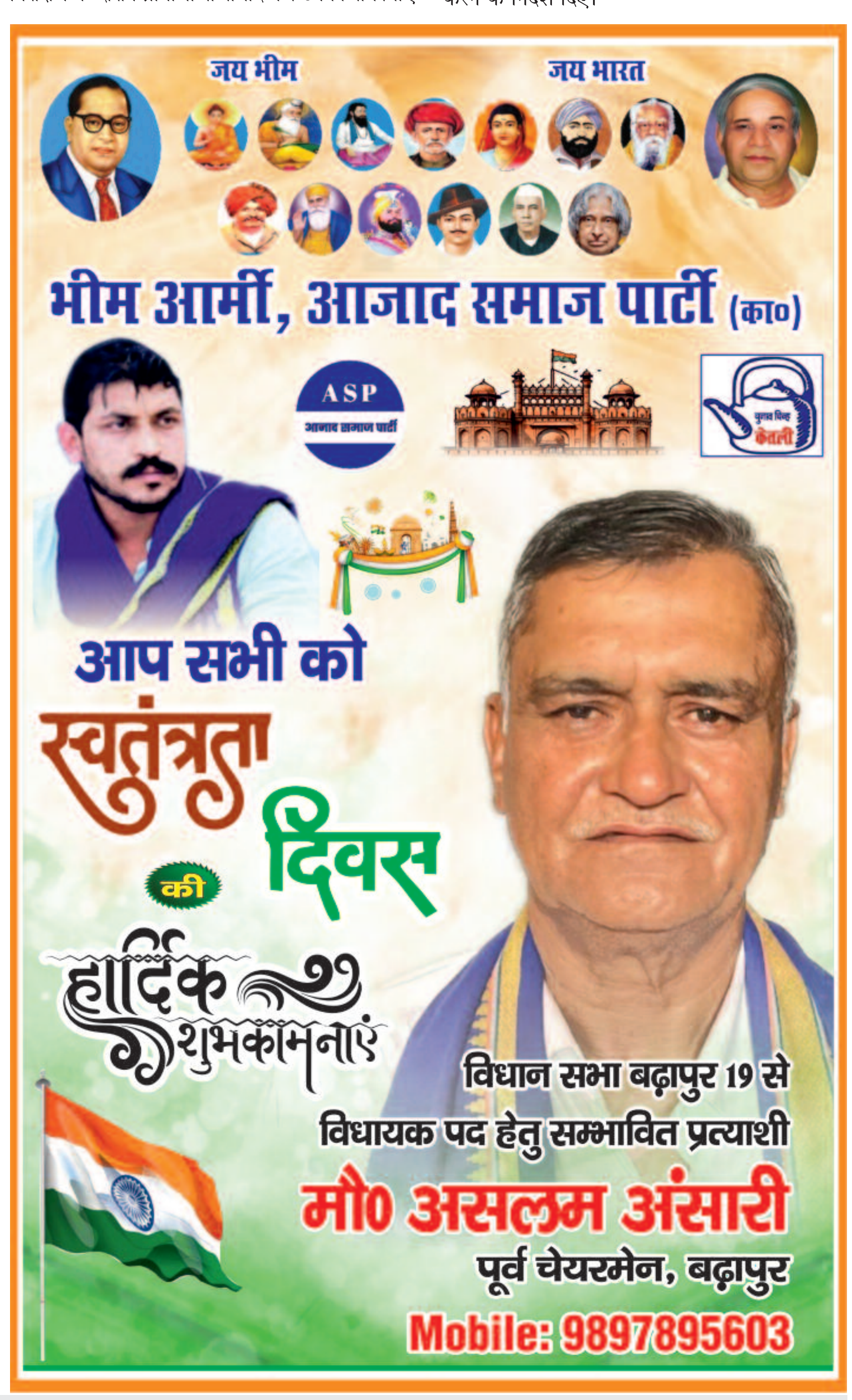

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने कैंप कार्यालय पर ध्वजारोहण कर शहीदों को किया नमन

जेवर (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की ओर से जेवर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यूनियन के कैंप कार्यालय से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारों के साथ सहभागिता की। यात्रा के दौरान क्षेत्र में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के कैंप कार्यालय पर मास्टर स्वराज सिंह भाटी ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद उपस्थित कार्यकताओं ने राष्ट्रगान के साथ देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने का संकल्प लिया। स्वराज सिंह भाटी ने कहा कि देश की आजादी असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों के बलिदान का परिणाम है। हमें उनके त्याग को सदैव याद रखते हुए राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर प्रमोद कुमार शर्मा सहित यूनियन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान तिरंगे के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

संपादकीय

राजनीति में संवेदनाओं की जगह कहाँ बची है?

पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ तृणमूल कांग्रेस नेता, पूर्व मंत्री, पूर्व उपाध्यक्ष और पांच बार विधायक रहे आशीष बनर्जी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने केवल एक राजनीतिक दल को नहीं, बल्कि पूरी लोकतांत्रिक राजनीति की कार्यशैली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। बीरभूम के रामपुरहाट स्थित तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय कार्यालय में उनका शव फंदे से लटका मिलना अपने आप में असाधारण घटना है। घटनास्थल से कथित सुसाइड नोट मिलने और उसमें राजनीतिक जीवन, पार्टी के भीतर के गलत कामों तथा अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर की गई टिप्पणियों ने इस घटना को और गंभीर बना दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और नोट की प्रामाणिकता तथा मौत के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। इसलिए अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। लेकिन इस घटना ने जो सवाल खड़े किए हैं, उनसे बचना भी संभव नहीं है। आशीष बनर्जी का राजनीतिक सफर करीब ढाई दशक लंबा रहा। वह रामपुरहाट से लगातार कई बार विधानसभा पहुंचे और सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्हें भाजपा प्रत्याशी ध्रुव साहा से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने बीरभूम की पार्टी की जिला कोर कमेटी और जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा देते हुए खुद को सामान्य कार्यकर्ता तक सीमित करने की बात कही थी। उनके इस्तीफे के समय उन्होंने संगठन की निष्क्रियता और चुनावी प्रदर्शन को लेकर भी सवाल उठाए थे। बीरभूम में तृणमूल को इस चुनाव में पहले की तुलना में कई सीटों का नुकसान हुआ था। यहीं से इस पूरे घटनाक्रम को समझने की एक महत्वपूर्ण कड़ी सामने आती है। एक ऐसा नेता, जिसने वर्षों तक सत्ता और संगठन दोनों के भीतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, चुनावी हार के बाद धीरे-धीरे राजनीतिक रूप से हाशिये पर जाता दिखाई दिया। अब उनकी कथित अंतिम टिप्पणी में यह भाव सामने आना कि वह पार्टी के हर गलत काम को स्वीकार नहीं कर पाते थे, लेकिन विरोध भी नहीं कर सके, लोकतांत्रिक दलों के भीतर असहमति की स्थिति पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। यदि यह नोट वास्तविक है तो यह केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति पर टिप्पणी भी है जिसमें संगठन के प्रति निष्ठा और गलत के प्रति विरोध के बीच संतुलन बनाना कठिन होता जा रहा है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल चुनाव जीतने की मशीन नहीं होते। वे विचारों, असहमति और सार्वजनिक जवाबदेही के मंच भी होते हैं। किसी दल के भीतर नेता गलत निर्णय पर सवाल नहीं उठा सकता, तो वह दल बाहर की जनता के सामने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कैसे करेगा? राजनीति में अनुशासन आवश्यक है, लेकिन अनुशासन का अर्थ मौन नहीं हो सकता। किसी भी संगठन में आलोचना को दुश्मनी समझने की प्रवृत्ति अंततः उसी संगठन को कमजोर करती है। आशीष बनर्जी के मामले में सामने आए कथित शब्द इस बहस को और गहरा करते हैं। इस घटना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ा है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार कथित नोट में उन्होंने अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों को लेकर सफाई दी और कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में काम के बदले पैसे नहीं लिए। उन्होंने कुछ विकास संबंधी निर्णयों में अपनी भूमिका सीमित होने का भी उल्लेख किया। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है। लेकिन इससे यह सवाल जरूर उठता है कि आरोपों की राजनीति किस सीमा तक किसी व्यक्ति की सार्वजनिक और निजी जिंदगी को प्रभावित करती है।

~ मौलिक चिंतन ~

समय के अनुकूल होने की प्रतीक्षा करने वालों से लाख दर्जे समझदार हैं वे लोग, जो समय को अनुकूल बनाने में भरोसा रखते हैं।

© विनय संकोची

नाग पंचमी : प्रकृति के प्रति सम्मान और सह-अस्तित्व का पर्व

सुनील कुमार महला

भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है-नाग पंचमी। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त (सोमवार) को मनाया जाएगा। जानकारों के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 16 अगस्त को दोपहर 4:52 बजे से शुरू होकर 17 अगस्त को शाम 5:00 बजे समाप्त होगी, और उदया तिथि के कारण यह त्योहार 17 अगस्त को ही मनाया जाएगा। इस दिन नाग की पूजा की जाती है। दरअसल,नागों(सर्पों) को प्रकृति, शक्ति, सुरक्षा, उर्वरता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक माना गया है। इस पर्व का धार्मिक महत्व है। भगवान शिव ने अपने गले में नाग धारण कर रखा है, उनके गले में नाग का विराजमान होना उनके प्रकृति और समस्त जीव-जगत के साथ सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु की शेषनाग पर शयन मुद्रा भी नागों के धार्मिक महत्व को दर्शाती है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, सुरक्षा और कल्याण की कामना की जाती है। जीव-जंतुओं का भारतीय संस्कृति में हमेशा हमेशा से महत्वपूर्ण व अहम्‌ स्थान रहा है और जीव-दया, जीवों के प्रति करूणा, सह-अस्तित्व की भावना हमारे देश की संस्कृति रही है। नाग या सर्प खेतों में चूहों जैसे कृंतकों की संख्या नियंत्रित करके फसलों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए सर्पों को किसान का मित्र कहा जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि सर्प विभिन्न जीवों की आबादी को नियंत्रित करके खाद्य-श्रृंखला(फूड चेन) को संतुलित रखते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र और जैव-विविधता को बनाए रखने में सर्पों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि,यह बात अलग है कि सर्प स्वयं भी बाज, उल्लू, नेवला, मोर और अन्य जीवों के भोजन का हिस्सा हैं। इसलिए उनका अस्तित्व खाद्य-जाल की अनेक कड़ियों को प्रभावित करता है। प्रकृति का अपना एक सिस्टम है और इस सिस्टम में हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े जीव की अपनी भूमिका व महत्व है और सर्प भी उनमें से एक है, लेकिन आज सर्पों को मार दिया जाता है और प्रकृति चक्र को डिस्टर्ब कर दिया जाता है,यह ठीक नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो सर्पों से भय के कारण उन्हें मार देना पर्यावरणीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। यदि हम सर्पों को मारेंगे तो धरती पर चूहों और कृंतकों की संख्या बढ़ सकती है, फसलों पर दबाव बढ़ सकता है, जैसा कि चूहे और अन्य कृतंक बीज, अनाज और पौधों को अधिक नुकसान पहुँचा सकते हैं। सर्प नहीं होंगे तो इससे हमारी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो जाएगी, क्यों कि सर्प मोर, नेवला और अन्य शिकारी पक्षियों का भोजन हैं,जो पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सर्प नहीं होंगे तो हमें चूहों व अन्य कृतंकों से फसलों को बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स , दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ेगा, जिससे रासायनिक उपायों पर निर्भरता बढ़ सकती है, इसलिए इनको बचाना,इनका संरक्षण करना बहुत आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि

भारत में हर वर्ष अनुमानतः 58 हजार लोगों की मृत्यु सर्पदंश से होती है, जिससे भारत विश्व में सर्पदंश मृत्यु के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है; हालांकि उपचार एवं मृत्यु के मामलों की कम रिपोर्टिंग के कारण वास्तविक आंकड़ा अलग हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके हमें यह याद रखना चाहिए कि सर्प प्रकृति के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। जैसा कि ऊपर इस

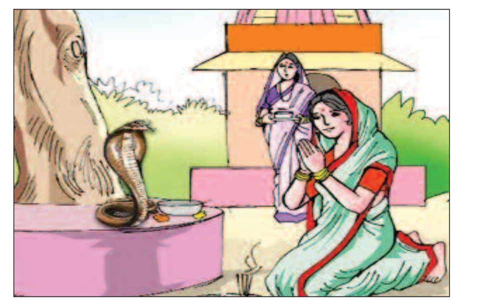

आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि वे चूहों और अन्य कृंतकों की संख्या नियंत्रित कर खेतों तथा खाद्यान्न की रक्षा करने में सहायता करते हैं और खाद्य-श्रृंखला को संतुलित बनाए रखते हैं। सर्प स्वयं भी अनेक पक्षियों और वन्यजीवों के भोजन का हिस्सा हैं, इसलिए उनका संरक्षण जैव-विविधता और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। सर्पों के प्रति भय नहीं, बल्कि सावधानी और सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना प्रकृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नाग पंचमी का पर्व हमें नाग जैसे महत्वपूर्ण जीव का संरक्षण कख संदेश देता है। संक्षेप में कहें तो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और करुणा को जोड़ना ही नाग पंचमी का वास्तविक व असली संदेश है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

अब 'दिमागी नक्सली', प्रधानमंत्री ने छेड़ी नई बहस..!

ऋतुपर्ण दवे

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 80वें स्वाधीनता दिवस पर उद्बोधन के दौरान विरोधियों पर कसा गया तंज अब नई और राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री की दिमागी नक्सलवाद कह कर की गई टिप्पणी ने नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री ने किसे या किन्हें दिमागी नक्सली कहा, क्या विपक्ष और आंदोलनकारी छात्रों को या सरकार पर उंगली उठाने वाले हरेक को या फिर संसद न चलने देने वाले विपक्ष को? निश्चित रूप से इस टिप्पणी पर अभी आगे काफी कुछ सियासत होनी तय है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों से तो निपट लिया गया, लेकिन अब देश को ह्यदिमागी नक्सलियोंह्न से सतर्क रहने और उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने दशकों तक देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया जिसमें हजारों लोगों की जान गई। उनका इशारा था कि अब इस चुनौती के एक दूसरे स्वरूप यानी दिमागी नक्सलवाद से निपटना जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपनी टिप्पणी में दिमागी नक्सली की कोई स्पष्ट या औपचारिक परिभाषा तो दी नहीं और न ही कोई कानूनी परिभाषा बताई। भले ही उनकी टिप्पणी इशारों में रही, लेकिन राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इसके मायने बहुत गहरे हैं। जंतर-मंतर पर हाल ही में जिस तरह कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले छात्र आंदोलन हुआ जो देखते-देखते देश का एक बड़ा और अप्रत्याशित आन्दोलन बन खड़ा हुआ। अब उसके फैलते जाने का अंदेशा भी दिखाई दे रहा है। कहीं उसी पर तो यह टिप्पणी नहीं की? या फिर हाल ही में संसद में लगातार गतिरोध बने रहने और नेता विपक्ष राहुल गांधी के तमाम मंचों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देने की खीझ पर तो निशाना नहीं लगया?

सच यह है कि हाल के दिनों में जेन-जी के जंतर-मंतर पर आन्दोलन के बाद 12 वर्षों में पहली बार मोदी सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। उससे भी गंभीर और बड़ी बात यह कि इस मुद्दे को विपक्ष खासकर राहुल गाँधी ने लपक लिया और संसद से सड़क तक प्रभावशाली तरीके से उठाया। निश्चित रूप से जेन-जी आन्दोलन के चलते महज युवा ही नहीं बल्कि उनके अभिभावक भी नाराज दिखे। इससे पहली बार लगा कि मोदी सरकार परेशान है। देखते ही देखते छात्रों की पिटाई, बिना वर्दी के पुलिस वालों की मौजूदगी, पैलेट गन और कील लगी लाठियों के उपयोग को राहुल ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया। कहीं दिमागी नक्सली कहकर उनका इशारा इसी पर तो नहीं था?

क्या प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल करके देश को सुरक्षा, वैचारिक स्थिरता और सामाजिक एकता से जुड़ाव रखने का साफ और कड़ा संदेश तो देने की कोशिश तो नहीं की? अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को हिंसा और अराजकता से दूर रहना होगा और विकास तथा रचनात्मक कार्यो में सहयोग देना होगा। जाहिर है प्रधानमंत्री दिमागी नक्सलवाद के जरिए विरोधियों को लताड़ तो लगा रहे थे। साथ ही रूठे या उनसे नाराज जेन-जी को भी संदेश दे रहे थे कि वो रचनात्मक कार्यों में सहयोग करें। जंगली नक्सली खत्म हो गए हैं लेकिन जो दिमागी नक्सली सिर उठा रहे हैं, उन्हें पहचानने की बात किसके लिए कह गए? उन्होंने आगे जो कहा वह और भी खास है जिसमें जंगल नक्सलियों की जगह अब शहरों, शिक्षण संस्थानों और बौद्धिक मंचों पर सक्रिय दिमागी नक्सल के लेने की बात कह, सरकार का विरोध करने वालों को तिलमिला दिया। उन्होंने इनसे सावधान रहने का आगाह भी किया। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं जिन्हें पहचानना होगा। उन्होंने साफ किया कि यह वर्ग सीधे हथियार नहीं उठाता, बल्कि अपनी विचारधारा से देश में भ्रम और अराजकता फैलाने की फिराक में रहता है। पहले भी अर्बन नक्सली कहे जाने पर हंगामा हुआ था जिस पर संसद में बताया गया कि संसद में अर्बन नक्सल शब्द की कोई औपचारिक कानूनी परिभाषा नहीं है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि कानून के तहत इस शब्दावली को परिभाषित नहीं किया गया। हाँ, राजनीतिक बयानों और बहसों में इसका उपयोग अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा और वैचारिक विरोध के संदर्भ में किया जाता है। आगे क्या दिमागी नक्सल पर भी यही होगा।

काँग्रेस ने दिमागी नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी को उनकी घबराहट बताया तो प्रधानमंत्री मोदी के दिमागी नक्सल बयान पर कॉकरोच जनता पार्टी की प्रतिक्रिया ने इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब सवाल यह है कि सरकार और विपक्ष इस बहस को किस दिशा में ले जाते हैं। राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जहाँ सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उल्टा सरकार से सवाल पूछा कि शिक्षित युवाओं को नक्सली कहना कितना उचित है? साथ ही यह भी चेताया कि कि देश के हर जिले में एक नया जंतर-मंतर जन्म ले रहा है। यह वह जगह होगी, जहां निराश लोगों को उम्मीद और कमजोर लोगों को एकजुट होने की ताकत मिलेगी। सीजेपी ने सत्ता पक्ष पर युवाओं और जेन-जी को बांटने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। सीजेपी की यह टिप्पणी कि इतिहास बताता है कि एकजुट जनता से अधिक शक्तिशाली कुछ नहीं होता, वो बांटेंगे, हम जोड़ेंगे। वो डर फैलाएंगे, हम साहस फैलाएंगे। अब मन डर से मुक्त है और वापसी का रास्ता नहीं है।

जाहिर है कि दिमागी नक्सली को लेकर अभी काफी कुछ बयान, विरोध, हंगामा और बहुत कुछ देखने मिलना तय है। अब यह वक्त ही तय करेगा दिमागी नक्सली वाली टिप्पणी किस पर कितना भारी पड़ती है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

ललित गर्ग

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है।

संसदीय मयार्दाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मयार्दा होती है। यदि

विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

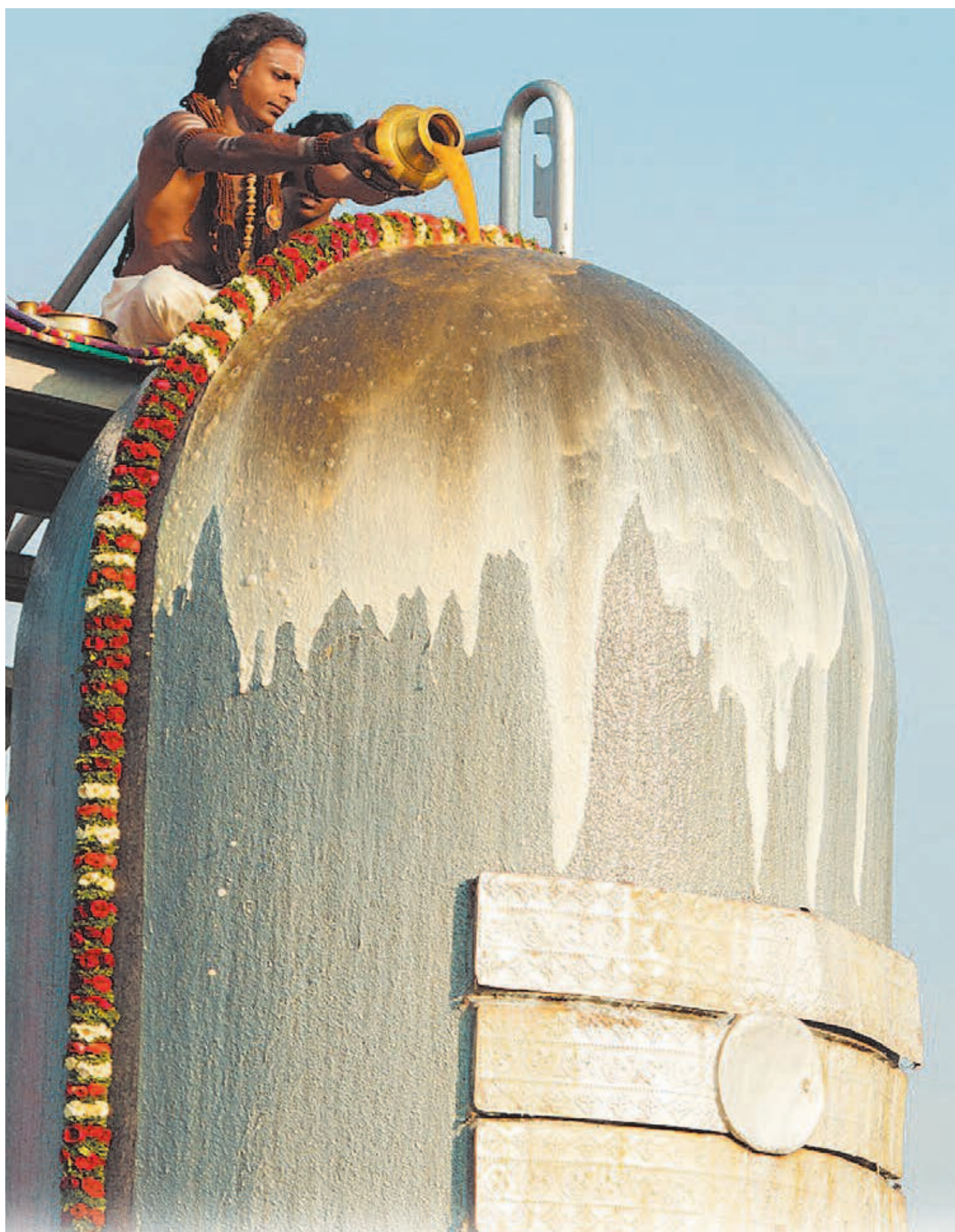

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्राय: पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कीत तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अत: अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ
भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुन: प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गार्ड के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय
हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है।

सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

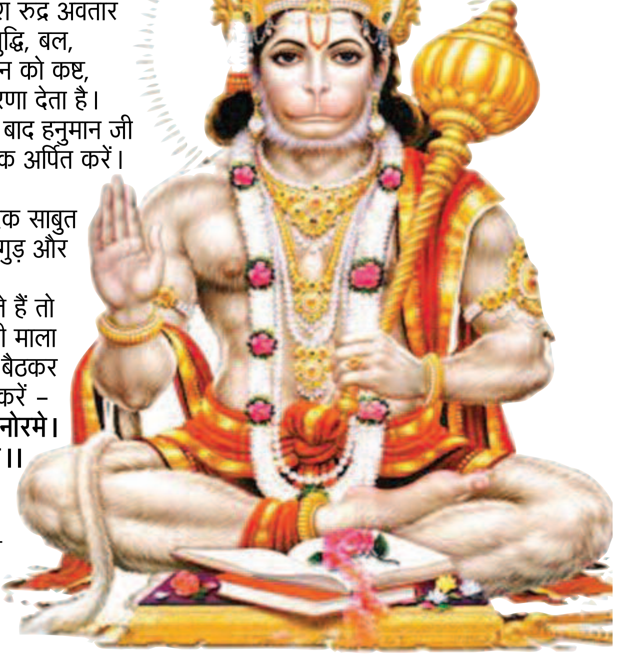

गरुड़ पुराण से जानें
कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जूड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अत: जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

बीमा कंपनियों को चेतावनी, सिर्फ आरोप से क्लेम खारिज नहीं, देना होगा सबूत

तेलंगाना आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपए डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

तेलंगाना राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (टीएससीडीआरसी) ने बीमा कंपनियों के लिए एक अहम फैसला सुनाया है। अब केवल जानबूझकर जानकारी छिपाने का आरोप लगाने से डेथ क्लेम खारिज नहीं होगा, बल्कि कंपनी को यह साबित भी करना होगा। आयोग ने टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस को एक परिवार को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क के सेवानिवृत्त अधिकारी रामदास विसलावथ ने अक्टूबर 2019 में टाटा एआईए से 1 करोड़ रुपए की पॉलिसी ली थी। मई 2021 में कोविड-19 से उनकी मृत्यु के बाद कंपनी ने क्लेम यह आरोप लगाकर खारिज किया कि उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के एक पुराने, टले हुए बीमा आवेदन की जानकारी छिपाई थी। हालांकि, आयोग ने कंपनी के तर्कों को खारिज कर दिया। उसने पाया कि टाटा एआईए यह साबित नहीं कर पाई कि पॉलिसीधारक को पुराने प्रस्ताव स्थगित होने या खराब मेडिकल रिपोर्ट की जानकारी थी। कंपनी ने खुद पॉलिसी जारी करने से पहले उनका मेडिकल टेस्ट किया था और फिट पाया था। मृत्यु कोविड-19 से हुई थी, जिसका पूर्व कथित स्थिति से कोई संबंध नहीं था। आयोग ने टाटा एआईए को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम 9 फीसदी वार्षिक ब्याज, 50,000 रुपये मुआवजा और 10,000 रुपये कानूनी खर्च के साथ अदा करने का आदेश दिया। कंपनी ने इस फैसले को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में चुनौती देने का इरादा जताया है।

बढ़ता यूरिया बिल, भारत की सब्सिडी नीति पर पुनर्विचार जरूरी

ईरान युद्ध और वैश्विक बाधाओं से उर्वरक लागत दोगुनी, सब्सिडी बिल रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार द्वारा यूरिया पर दी जा रही भारी सब्सिडी अब मुश्किल में है। ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन और उर्वरक महंगे हो गए हैं, जिससे भारत का आयात बिल बहुत बढ़ गया है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है और सरकार अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर दोबारा विचार करने को मजबूर हो गई है। ईरान युद्ध और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय उर्वरक कीमतें दोगुनी हो गई हैं। इसका सीधा असर भारत के यूरिया आयात बिल पर पड़ा है, जो इस वित्तीय वर्ष में अनुमानित 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। यह भारी सब्सिडी बोझ और विदेशी मुद्रा के बाहर जाने से भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ा है। किसान 45 किलो यूरिया के लिए मात्र 266.5 रुपये देते हैं, जबकि सरकार इसे खरीदने के लिए दस गुना ज़्यादा कीमत चुका रही है। इस गंभीर स्थिति ने सरकार को अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर पुनर्विचार करने को विवश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी किसानों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग आधा करने की अपील की है। सरकार जागरूकता अभियान भी चला रही है। हालांकि, किसान पुराने तरीकों को बदलने में अनिच्छुक दिखते हैं और आपूर्ति सामान्य न होने के कारण कुछ राज्य आपूर्ति सीमित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब्सिडी अप्रभावी है और कृषि में अस्वस्थ आदतें पैदा कर रही है। कमजोर मॉनसून के साथ मिलकर, यह स्थिति भारत की फसल और खाद्य महंगाई पर गंभीर असर डाल सकती है।

एलपीजी ई-केवाईसी करने का आ खिरी दिन, वरना छूट जाएगी सब्सिडी!

एलपीजी ई-केवायसी 16 अगस्त रात 12 बजे तक

नई दिल्ली ।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर सरकारी सब्सिडी का लाभ जारी रखने के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी पूरा करने के लिए आज आपके पास अंतिम मौका है। 16 अगस्त रात 12 बजे तक यह प्रक्रिया पूरी न करने वाले उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए अधिक भुगतान करना पड़ सकता है और सब्सिडी से वंचित होना पड़ सकता है। सभी प्रमुख तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को सूचित किया है कि सब्सिडी वाले दरों पर गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिएई-केवाईसी अनिवार्य है। ऐसा न करने पर उज्ज्वला योजना के कनेक्शनधारियों की सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में भी बाधाआ सकती है। हालांकि, ई-केवाईसी न करने पर आपका गैस कनेक्शन रद्द नहीं होगा, लेकिन आपको सब्सिडी वाली दर पर सिलेंडर मिलना बंद हो जाएगा।

होर्मुज तनाव, कच्चा तेल और अमेरिकी नीतिगत संकेत तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

अमेरिकी एफओएमसी के ब्योरे से लेकर चीन के आर्थिक आंकड़े तक, इन पर रहेगा बाजार का फोकस

– मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ता तनाव, अमेरिका-ईरान संबंधों में अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सोमवार को जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और चीन के आर्थिक आंकड़ों पर भी पैनी निगाह रखेंगे। बीते सप्ताह स्थानीय बाजारों में तेज गिरावट दर्ज की गई थी, जिसके बाद अब वैश्विक घटनाक्रमों पर ध्यान केंद्रित हो गया है। शेयर बाजार के जानकारों के अनुसार कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद अब निवेशकों का ध्यान घरेलू कारकों से हटकर वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर केंद्रित हो गया है। रिलायंस ब्रोकिंग के एक अधिकारी ने बताया कि निकट अवधि में होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम और ब्रेंट कच्चे तेल की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण कारक होंगे। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि आने वाला सप्ताह आंकड़ों के लिहाज से अपेक्षाकृत हल्का है, ऐसे में वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक स्थिति ही बाजार को दिशा देंगी। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा 19 अगस्त को जारी किया जाएगा, जिससे अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख को लेकर अहम संकेत मिलेंगे। यदि फेडरल रिजर्व का रुख अपेक्षा से अधिक आक्रामक दिखाई देता है, तो इससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी बढ़ सकती है, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और बढ़ जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि निवेशक कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखेंगे। कच्चा तेल, भू-राजनीतिक घटनाक्रम, एफओएमसी की बैठक का ब्योरा और चीन के आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाले प्रमुख संकेतक होंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार में 14 अरब का उछाल, चार माह के शीर्ष पर

लगातार छठे सप्ताह हुई वृद्धि, 07 अरब के पार पहुंचा कुल भंडार

मुंबई।

केंद्र सरकार द्वारा निर्यात बढ़ाने और भुगतान संतुलन सुधारने के लिए उठाए गए कदमों का सकारात्मक असर अब दिखने लगा है। बीते 7 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.13 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी के साथ 707 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। यह लगातार छठा सप्ताह है जब भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार 7 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.136 अरब बढ़कर 707.002 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह लगातार छठी साप्ताहिक बढ़ोतरी है और भंडार को चार महीने के शीर्ष पर ले गई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 10.512 अरब की अच्छी-खासी वृद्धि दर्ज की गई थी। हालांकि, यह अभी भी 27 फरवरी 2026 के 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर से कुछ नीचे है। इस वृद्धि में विदेशी मुद्रा आस्तियों और स्वर्ण भंडार का अहम योगदान रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियों में 9.946 अरब का इजाफा हुआ, जिससे यह 574.625 अरब डॉलर हो गया।

इंडियन बैंक कारोबार विस्तार हेतु जुटाएगा 1 अरब डॉलर

120वीं वर्षगांठ पर नई शाखाएं व डिजिटल पहल शुरू

चेन्नई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक अपने कारोबार विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए तैयार है। बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बैंक की कुल योजना ईसीबी से लगभग एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा से लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है, जिसमें से 1.5 अरब डॉलर पहले ही प्राप्त हो चुका है। अे धिकारी के अनुसार, बैंक दिसंबर 2026 तक भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा का लाभ उठाते हुए अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर भी जुटा सकता है। एफसीएनआर-बी जमा के बेहतर प्रवाह को देखते हुए, आरबीआई ने निर्धारित समय से पहले ही विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत जमा जुटाने की अवधि समाप्त कर दी है। हालांकि, ईसीबी और अन्य विदेशी मुद्रा उधारी के लिए समयसीमा 31 दिसंबर, 2026 तक बनी हुई है। वित्तीय विस्तार के साथ, इंडियन बैंक ने हाल ही में अपनी 120वीं स्थापना दिवस (15 अगस्त को) मनाया। इस अवसर पर, बैंक ने देश भर में 15 नई शाखाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया और साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए आईबी साइबर कैप्टन नामक एक शुभंकर पेश किया। इसके अतिरिक्त, बैंक ने डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से तीन भाषाओं में वॉयस बैंकिंग सेवा सहित कई नई डिजिटल पहल भी शुरू कीं।

सरकारी खरीद में महंगाई का नया पैमाना, डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई अपनाने का निर्देश

– उत्पादक स्तर पर कीमतों का सटीक आकलन, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बदलाव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव की पहल की है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को भविष्य के सरकारी अनुबंधों में मूल्य-वृद्धि और दर समायोजन के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश दिया है। यह कदम सरकारी ठेकों में लागत समायोजन को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। व्यय विभाग ने पिछले माह एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर मंत्रालयों और विभागों को पीपीआई उपलब्ध होने पर इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया था। सरकार का मानना है कि पीपीआई उत्पादक स्तर पर मूल्य परिवर्तनों को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक रूप से स्वीकृत सूचकांक है। यह कदम परियोजना के दौरान सामग्री, श्रम और ईंधन जैसी प्रमुख लागत में बदलाव के अनुसार भुगतान समायोजन सुनिश्चित करेगा, जिससे सरकार और ठेकेदार दोनों के लिए महंगाई के प्रभाव को साझा करने में मदद मिलेगी। भारत में वाणिज्य मंत्रालय ने जून 2023 से वस्तुओं और सेवाओं के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू कर दिया है। वस्तुओं के पीपीआई में विनिर्मित उत्पादों का सर्वाधिक 69.93 प्रतिशत भारांश है, जबकि कृषि, बिजली और खनन का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

सेवा क्षेत्र में बैंकिंग, बीमा, रेलवे, हवाई यात्री सेवाओं और दूरसंचार सहित सात प्रमुख सेवाओं को पहले चरण में शामिल किया गया है। यह पहल भारत को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की प्रणाली के अनुरूप लाएगी और डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर संभावित दीर्घकालिक बदलाव का संकेत देती है।

शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण एक लाख करोड़ घटा

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान अभी भी नंबर वन पर

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का रुख रहा, जिसके चलते सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बड़ी कमी आई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को इस दौरान सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 0.83 प्रतिशत के नुकसान में रहा। इस गिरावट का असर शीर्ष कंपनियों पर स्पष्ट दिखा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टीसीएस के बाजार पूंजीकरण में कमी दर्ज की गई। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्य में कुल मिलाकर करीब एक लाख करोड़ रुपये की कमी हुई। टीसीएस का मार्केट कैप सर्वाधिक 34,263.28 करोड़ रुपये घटकर 8.53 लाख करोड़ रुपये रह गया।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 31,869.13 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 25,891.88 करोड़ रुपये घट गया। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी हुई।

ई20 माइलेज के लिए अकेला जिम्मेदार नहीं, मिलावट के दावे भी खारिज- सरकार

-मंत्रालय ने बताया- माइलेज कई कारकों पर निर्भर, मिलावट के दावे भी बेबुनियाद

नई दिल्ली ।

ई20 पेट्रोल से जुड़े माइलेज में कमी और मिलावट के आरोपों पर केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि वाहनों के माइलेज में गिरावट के लिए सिर्फ ई20 को जिम्मेदार ठहराना गलत है। मंत्रालय ने ईंधन में मिलावट के दावों को भी बेबुनियाद बताया। मंत्रालय के अनुसार वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज ड्राइविंग की आदतें, ट्रैफिक, गाड़ी का रखरखाव, टायरों में हवा का दबाव और एयर-कंडीशनर के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है। सरकार ने माना है कि ई10 के हिसाब से बनी पुरानी गाड़ियों में ई20 से 3 से 5 प्रतिशत तक मामूली कमी आ सकती है। ई20 पेट्रोल को लॉन्च से पहले गहन परीक्षण किया गया था, जिसमें इंजन की मजबूती और कंपैटिबिलिटी जांची गई थी। ई20 पेट्रोल में कथित मिलावट या दूषित ईंधन की शिकायतों को भी खारिज किया गया है। तेल कंपनियों ने देशभर में किए गए परीक्षणों में क्लोराइड या नमी का कोई सबूत नहीं पाया। रिफाइनरियों, डिस्टिलरियों और डिपो से लिए गए सैकड़ों सैंपल में क्लोराइड का स्तर निर्धारित सीमा से कम था। लगभग 90,000 पेट्रोल पंपों के भूमिगत स्टोरेज टैंकों की जांच में भी पानी घुसने का कोई मामला नहीं मिला।

अगले हफ्ते 50 शेयरों में डिविडेंड से कमाई का मौका- पेज इंडस्ट्रीज की बंपर आय

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगले सप्ताह शानदार मौका आ रहा है, जहाँ 17 से 21 अगस्त, 2026 के बीच कुल 50 कंपनियां एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) कैलेंडर के अनुसार, ये कंपनियां निवेशकों के लिए डिविडेंड, स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में बैंकिंग, फाइनेंस, गैस, ऑटो और कंज्यूमर जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को अच्छी कमाई का मौका देंगी।

इन 50 कंपनियों ने मिलकर कुल मिलाकर प्रति शेयर लगभग 929 रुपये तक का भारी डिविडेंड घोषित किया है। विशेष रूप से, 17 अगस्त को द यमुना सिंडिकेट लिमिटेड 500 रुपये का फाइनल डिविडेंड और एसकेएफ इंडिया लिमिटेड 20 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा। बंधन बैंक लिमिटेड भी इसी दिन 1.50 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देगा।

18 अगस्त को महानगर गैस लिमिटेड 18 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा, जबकि रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) भी 0.71 रुपये का फाइनल डिविडेंड पेश करेगा।

अगले दिन, 19 अगस्त को, पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने निवेशकों को 200 का भारी अंतरिम डिविडेंड देकर आकर्षित करेगा, वहीं बाटा इंडिया लिमिटेड भी 25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा।

सप्ताह के अंत में, 20 अगस्त को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड 4.62 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगा। इसके बाद, 21 अगस्त को एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 10 रुपये का फाइनल डिविडेंड और जिंदल स्टील लिमिटेड 2 रुपये का फाइनल डिविडेंड वितरित करेगा। इन डिविडेंड घोषणाओं के अलावा, किर्लोस्कर न्यूमैटिक कंपनी जैसे कुछ शेयर स्टॉक स्प्लिट और ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स जैसे बोनस इश्यू के लिए भी एक्स-डेट पर जाएंगे, जिससे निवेशकों को विविध लाभ मिलने की उम्मीद है। यह सप्ताह बाजार में सक्रिय निवेशकों के लिए खास रहने वाला है।

लागत से नीचे बिक्री से सोयाबीन, सीपीओ और पामोलिन तेलों में गिरावट, सरसों भी प्रभावित

आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव सरकारी बैंकों और किसानों के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल बाजार में आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली के कारण बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलिन जैसे आयातित खाद्य तेलों में लगातार गिरावट बनी रही, जिससे घरेलू बाजार की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई और सरसों तेल के दाम भी नीचे आए। इस बिक्री के पीछे आयातकों द्वारा बैंक कर्ज चुकाने का दबाव बताया जा रहा है, जो सरकारी बैंकों और अंततः किसानों के लिए चिंता का विषय बन रहा है।

आयातित तेलों के 22-28 रुपये प्रति किलो सस्ते होने के कारण घरेलू मांग कमजोर रही। इसका असर मूंगफली तेल-तिलहन पर भी पड़ा, जिनकी कीमतें स्थिर रहीं। सरसों तिलहन और तेल में भी कोई खास बदलाव नहीं आया, क्योंकि किसान कम दाम पर बेचने को तैयार नहीं थे और ऊंचे भाव पर तेल खप नहीं रहा था।

इसके विपरीत केवल बिनौला तेल में ब्रांडेड कंपनियों की बढ़ती मांग और कम उपलब्धता के कारण तेजी दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बना रहा। जबकि सरसों तेल दादरी 25 रुपये की गिरावट के साथ 16,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,900-6,950 रुपये और 6,750-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,525 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।

यूनिटेक में 15,000 घर खरीदार फंसे, 15 साल की देरी! एसी से जल्द समाधान की गुहार

खरीदारों ने खाली संपत्तियों की नीलामी और तत्काल नए सीएमडी की मांग की

नई दिल्ली ।

संकट में फंसी रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड की अटकी परियोजनाओं से जुड़े हजारों घर खरीदारों ने निर्माण कार्यों के लिए धन की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सरकार और उच्चतम न्यायालय से कंपनी की खाली पड़ी संपत्तियों की नीलामी कर परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा कराने की मांग की है। साथ ही, खरीदारों ने कंपनी के लिए नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की नियुक्ति जल्द करने की भी अपील की है, क्योंकि यह महत्वपूर्ण पद पिछले एक महीने से खाली पड़ा है। यूनिटेक में सीएमडी का पद पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक युधवीर सिंह मलिक के कार्यकाल समाप्त होने के बाद से रिक्त है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने नए सीएमडी के लिए नाम प्रस्तावित किया है, लेकिन उच्चतम न्यायालय की मंजूरी का इंतजार है। खरीदार संगठनों का मानना है कि इस पद पर नियुक्ति में देरी परियोजनाओं को पूरा करने में सबसे बड़ी बाधा है। दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में यूनिटेक की आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं में लगभग 15,000 खरीदार फंसे हुए हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं 15 साल से अधिक की देरी से चल रही हैं। गुरुग्राम स्थित एस्पेस प्रीमियर ओनर्स एसोसिएशन जैसी कई खरीदार संघों का कहना है कि उन्हें अपने घरों का 16 साल से अधिक समय से इंतजार है। खरीदारों का अनुमान है कि सभी अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए करीब 11,000-12,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी, जबकि ग्राहकों से केवल 3,000 करोड़ रुपये ही जुटाए जा सकते हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2,455.73 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया था। यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन और एल्डर ग्रोव विला ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने ऋणदाताओं के दावों का पुनर्मूल्यांकन करने और उन पर ब्याज भुगतान रोकने का भी आह्वान किया है। एंथिया फ्लोर्स खरीदार संघ ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 2005 के बाद यूनिटेक को दिए गए कर्ज का विशेष ऑडिट कराने की मांग की है, ताकि संभावित खामियों की पहचान कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

विदेशी करेंसी की मांग में छोटे शहर बने नए ग्रोथ इंजन- रिपोट

टियर-2 और टियर-3 शहरों की कुल हिस्सेदारी 53 फीसदी

नई दिल्ली ।

भारत में विदेशी करेंसी (फॉरेक्स) की मांग अब केवल देश के मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि छोटे शहर इसके नए ग्रोथ इंजन के रूप में उभरे हैं। थॉमस कुक इंडिया की फॉरेक्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, विदेशी मुद्रा की कुल मांग में टियर-2 और टियर-3 शहरों की संयुक्त हिस्सेदारी आधे से ज्यादा (53 फीसदी) हो गई है, जो टियर-1 शहरों से अधिक है। यह आंकड़ा भारत में आर्थिक विकास के विकेंद्रीकरण और छोटे शहरों के निवासियों की बढ़ती वैश्विक आकांक्षाओं को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि समीक्षाधीन अवधि में, अकेले टियर-2 शहरों की हिस्सेदारी 41 फीसदी रही, जबकि टियर-3 शहरों का योगदान 12 फीसदी था, जिससे संयुक्त हिस्सेदारी 53 फीसदी हो गई। इसके विपरीत, मेट्रो शहरों सहित टियर-1 शहरों का योगदान 47 फीसदी रहा। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि उभरता हुआ भारत फॉरेक्स ग्रोथ के अगले चरण को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहर कुल मांग के आधे से ज्यादा हिस्से का योगदान कर रहे हैं। फॉरेक्स की मांग का सबसे बड़ा हिस्सा घूमने-फिरने (पर्यटन) से जुड़ा है, जिसकी कुल ट्रांजैक्शन में 57त्न हिस्सेदारी थी। कॉर्पोरेट यात्रा का योगदान 27 फीसदी और छात्रों की विदेश यात्रा का 16 फीसदी रहा। यह दर्शाता है कि भारतीय अब सिर्फ व्यापार या पढ़ाई के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यटन के लिए भी विदेशों का रुख कर रहे हैं। उम्र के हिसाब से, 25-40 साल के आयु वर्ग ने फॉरेक्स के इस्तेमाल में सर्वाधिक (37 फीसदी) योगदान दिया, इसके बाद 41-60 साल के यात्रियों (36 फीसदी) का स्थान रहा। मिलेनियल्स और जेन-एक्स मिलकर फॉरेक्स के उपयोग का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा बनाते हैं, जबकि वरिष्ठ यात्री (60+ साल) भी 21 फीसदी के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुद्राओं की पसंद में, अमेरिकी डॉलर 49 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। यूरो और ब्रिटिश पाउंड जैसी यूरोपीय मुद्राओं की हिस्सेदारी 23 फीसदी थी। एशियाई मुद्राएं (थाई बहत, सिंगापुर डॉलर) 11 फीसदी और मिडिल ईस्ट की मुद्राएं (यूएई दिरहम, सऊदी रियाल) 9 फीसदी हिस्सेदारी रखती हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे। अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल के बीच तीसरे विकेट के लिए 210 गेंदों पर 201 रन की साझेदारी हुई।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार, गर्मी से दिखे परेशान

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे जोकोविच

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

तूफान के कारण 90 मिनट खेल रूका, इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था। मैच के बाद इयाला ने कहा कि वह खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन कोई भी खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होकर रिटायर होने से मैच नहीं जीतना चाहता। अन्य महिला मुकाबलों में विंबलडन में चोटिल होने के कारण एक महीने तक कोर्ट से दूर रहीं रोलैंड गैरोस की फाइनलिस्ट माजा चवालिंस्का ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-2 से हराया।

गॉल टेस्ट: देवदत्त पडिक्कल ने खेली 167 रन की पारी, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के देवदत्त पडिक्कल ने बड़ा शतक (167) लगाया। वह दूसरे दिन के दूसरे सत्र में विपक्षी स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। उनके इस बड़े शतक की मदद से भारत ने दूसरे दिन के तीसरे सत्र की समाप्ति तक 360/9 का स्कोर बनाया। इस बेहतरीन पारी से पडिक्कल ने अपने चयन को सही साबित किया। पडिक्कल पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 131 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन अपने निजी स्कोर में 36 रन और जोड़े। वह 230 गेंदों में 167 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर 162 रन की साझेदारी की। वहीं, राहुल शतक बनाने से चूक गए और 82 रन बनाकर आउट हुए।

इस सूची में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर-3 पर खेलते हुए 150 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके थे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने 2009 में नंबर-3 पर खेलते हुए अहमदाबाद टेस्ट में 177 रन की पारी खेली थी। वहीं, पुजारा ने 2017 में 153 रन बनाए थे। उन्होंने ये पारी गॉल के ही मैदान पर खेली थी।

नंबर-3 पर खेलते हासिल किए ये मुकाम

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में शतक लगाने वाले आखिरी भारतीय शुभमन गिल थे, जिन्होंने सितंबर 2024 में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर खेलते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2002 में दिल्ली में जिम्बाब्वे के खिलाफ 136 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे।

प्रतिका रावल का एशिया कप के लिए चयन, वॉरविकशायर के वनडे कप से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका रावल को आगामी एसीसी महिला एशिया कप के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके चलते वह इंग्लैंड में वॉरविकशायर के साथ अपने निर्धारित वनडे कप कार्यकाल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रतिका को स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में हाई-ग्रेड चोट के कारण एशिया कप के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों से भी बाहर हो गई हैं।25 वर्षीय प्रतिका को 19 अगस्त को वॉरविकशायर से जुड़ना था और वह सीजन के बाकी मुकाबलों में टीम का हिस्सा बनने वाली थीं। हालांकि, भारत की ओर से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप मिलने के बाद अब वह एडबर्गटन नहीं जाएंगी। वॉरविकशायर महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने प्रातिका के नहीं जुड़ पाने पर निराशा जताई, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम प्रतिका का बेसब्री से स्वागत करने की तैयारी कर रही थी और उनके बाहर होने से निराशा हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीजन के बाकी हिस्से में टीम के पास अभी काफी कुछ हासिल करने का मौका है और मौजूदा खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रतिका रावल भारत की 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य रही हैं। वह अब तक 27 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 1189 रन बनाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक भी लगाया था। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अभी तक भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

30 अगस्त को थाईलैंड से होगा भारत का मुकाबला

प्रतिका अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम तीन सितंबर को हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जबकि बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पांच सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगी। एशिया कप के सभी मुकाबले दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहली बार यूएई इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

वनडे वर्ल्ड कप 2027: गांधी जयंती पर होगा वर्ल्ड कप का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 2027 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट का आगाज 2 अक्टूबर 2027 यानी गांधी जयंती के दिन हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने अभी आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन अंदरूनी चर्चा के अनुसार इस खास दिन से टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए इस तारीख को बेहद खास माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत गांधी जयंती के दिन करने पर विचार कर रहा है। महात्मा गांधी ने भारत लौटने से पहले करीब 21 साल दक्षिण अफ्रीका में बिताए थे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले क्रिकेट के इस बड़े टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना उनके शांति और अहिंसा के संदेश को सम्मान देने के तौर पर देखा जा रहा है।

पहले वर्ल्ड कप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अक्टूबर के पहले सप्ताह में अभ्यास मैच खेले जाने थे। नए प्लान के तहत अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के आखिरी सप्ताह में कराया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 टीमों वाला यह टूर्नामेंट करीब 50 दिनों तक चलेगा। इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की योजना है। तीन देशों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

12 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा।

ऐसा होगा वर्ल्डकप का नया फॉर्मेट

2027 वर्ल्ड कप में फॉर्मेट में भी बदलाव देखने को मिलेगा। शुरुआत में तीन टीमों की सुपर सीरीज होगी, जिसमें से एक टीम बाहर हो जाएगी। इसके बाद 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा और हर ग्रुप में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद टीमें सुपर सेवन चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ेगा। इस तरह खिताब के लिए टीमों को कई चरणों से गुजरना होगा।

इन 10 टीमों ने पक्की की जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 10 टीमों ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। बाकी चार टीमों का फैसला अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा। इसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी हिस्सा लेंगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 3980

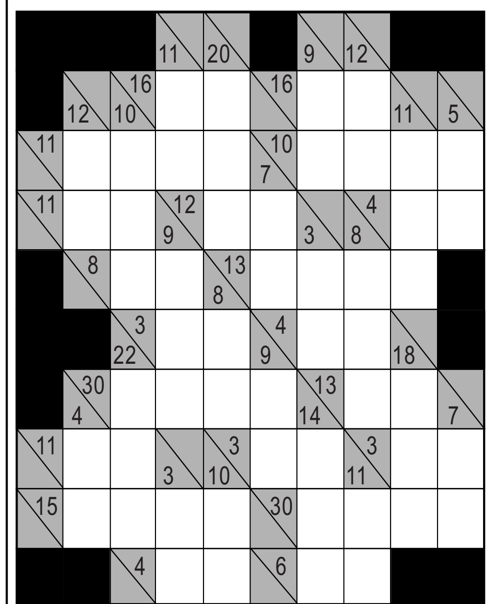

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

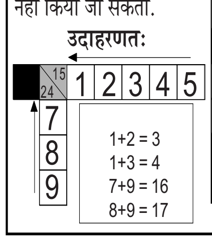

काकुरो - 3979 का हल

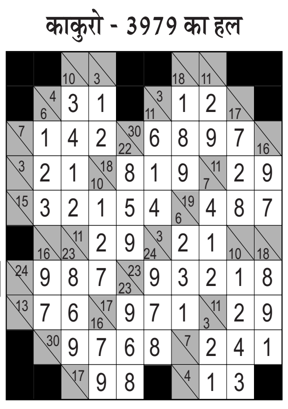

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3980

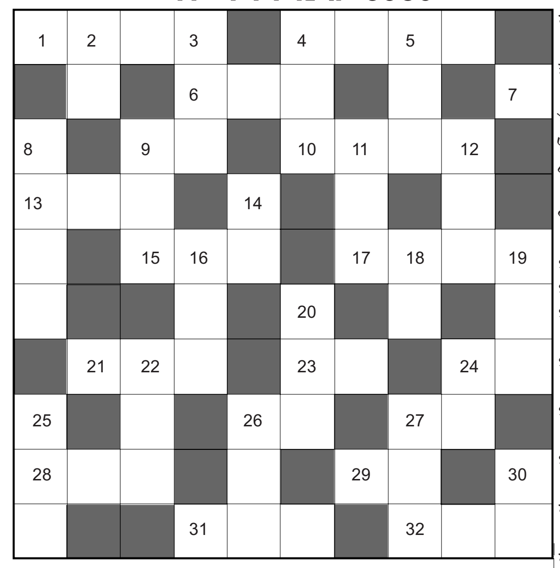

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3979

सूडोकु -3980

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3979 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली -3980

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3979 का हल

हेल्थ प्लस

गर्भवती महिलाएं और कैल्शियम

गर्भवती महिलाओं को रोजाना कम से कम एक ग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है और यह न मिले तो उनकी हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो जाती है। गर्भवती महिला के होने वाले बच्चे की हड्डियां और दांत बनने के लिए कैल्शियम की बहुत जरूरत होती है और यह जरूरत बच्चा अपनी मां से पूरी करता है। कैल्शियम की कमी से होने वाले बच्चे का शरीरिक व मानसिक विकास कम हो जाता है और बच्चा मंदबुद्धि पैदा हो सकता है। अगर किन्हीं कारणों से खानपान के जरिए कैल्शियम की पूर्ति नहीं हो पा रही हो तो डॉक्टर की सलाह से दिन में तीन बार 500 मिग्रा। कैल्शियम की गोलियां ली जा सकती हैं। इस तरह शरीर में कैल्शियम आसानी से जज्ब हो जाता है।

किशमिश दांतों की रक्षक

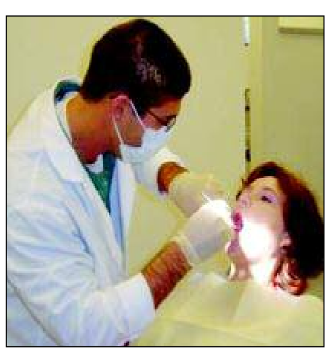

खाने की जो भी चीज दांतों में चिपकती है आम तौर पर उसे दांतों का दुश्मन समझा जाता है। लेकिन यही चिपकने वाली किशमिश दांतों पर चिपक कर बैक्टीरिया को दांतों से दूर रखने में सहायक होती है यह आम आदमी नहीं जानता। यह शोध शिकागो कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री द्वारा किया गया। शक्कर जैसी मीठी व चिपचिपी होने पर भी किशमिश में फाइटोकेमिकल्स का भंडार है। वैज्ञानिकों ने किशमिश में 5 ऐसे फाइटोकेमिकल्स पाए, जो मुंह के स्वास्थ्य सुधार के लिए लाभकारी थे। वास्तव में फाइटोकेमिकल्स पौधों में मौजूद ऐसे नैचरल एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं जो दांतों और मसूडों की सडन से बचाने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि वास्तव में मीठा खाने से दांत खराब नहीं होते, बल्कि उसमें मिलाई गई शक्कर दांतों के लिए नुकसानदायक होती है।

स्वास्थ्यरक्षक मीठा नीम

मीठे नीम की पत्तियां खुशबूदार होती हैं। इनको कढ़ी, चटनी इत्यादि में डालने से इन आहार-द्रव्यों में भीनी-भीनी महक आने लगती है। दक्षिण भारत में भोजन में सुवास के लिए करी पत्ता बेहद लोकप्रिय है। बहुत से क्षेत्रों में इसे मीठा नीम भी कहते हैं।

पोषक तत्व

प्रोटीन 6.1 प्रतिशत, वसा 1 प्रतिशत, कार्बोहाइडेट 16 प्रतिशत, रेशे 6.4 प्रतिशत, खनिज तत्त्व 4.2 प्रतिशत, कैल्शियम 810 मिलीग्राम, लौह 600 मिलीग्राम, फॉसफोरस 3.1 मिलीग्राम, कैरोटीन 126000 अंतरराष्ट्रीय यूनिट, निकोटिनिक एसिड 2.3 मिलीग्राम, विटामिन सी 4 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम।

औषधीय गुण

■ नियमित रूप से खाद्य पदार्थो के साथ करी पत्ते का सेवन करते रहने से यह श्रेष्ठ टॉनिक का कार्य करता है।
■ यह ठंडा, स्वाद में चरपरा, फीका तथा पचने में हलका होता है।
■ यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो रही जलन को शांत कर देता है।
■ पेट के कीड़ों से मुक्ति दिलाता है।
■ सूजन को दूर करता है।
■ विविध प्रकार के रक्त संबंधी विकारों जैसे शरीर में फोड़े-फुंसियां होना, नकसीर, मुंह में छाले होना, चेहरे पर झांइयां होना, शरीर पर तिल अधिक पैदा होना, दाद होना, सफेद दाग अर्थात् ल्यूकोडर्मा, खारिश-खुजली, त्वचा पर लाल-लाल चकत्ते पैदा होना इत्यादि रोगों के उपचार में भी यह लाभप्रद औषधि है।
■ विविध प्रकार के विष प्रकोप में भी यह लाभप्रद औषधि है।

कुछ खास प्रयोग

कष्टार्तव अर्थात् कठिनाई और दर्द के साथ मासिक धर्म का होना करी पत्ते का नियमित रूप में सेवन करने से इस शिकायत से आश्चर्यजनक ढंग से मुक्ति मिल जाती है।

सेवन विधि

इसके लिए करी पत्तों को सुखाकर इनका बारीक चूर्ण तैयार कर लें। यह चूर्ण एक चाय चम्मच भर मात्रा में हलके गरम पानी के साथ सेवन करें। सवेरे और शाम दिन में दो बार यह प्रयोग सेवनीय है। कढ़ी, दाल, पुलाव इत्यादि आहार द्रव्यों के साथ करी पत्ते का नियमित सेवन बेहद फायदेमंद है।

पेचिश होने पर इससे पीड़ित व्यक्ति को रक्त और कफ मिले हुए तेज दस्त आने लगते हैं। ताजा, कोमल, हरे करी पत्ते चबाकर खाना बहुत ही लाभप्रद है।

अपच अर्थात इंडाइजेशन मूंग की दाल में करी पत्ते का तड़का लगाकर सेवन करें। इससे अपान वायु खारिज होगी। भूख खुलकर लगेगी। भोजन शीघ्र पचेगा।

कीट दंश मधुमक्खी, ततैया इत्यादि विषाक्त जीवों द्वारा काट लेने पर करी पत्तों को पीसकर दंश स्थान पर लेप कर दें। तत्काल आराम मिलेगा।

वमन उल्टी की शिकायत होने पर दस-बीस करी पत्तों को दो सौ मिलीलीटर पानी में उबालें। आधा पानी शेष रहने पर इसे छान लें। इस पानी को दो-दो चम्मच की मात्रा में प्रति पंद्रह मिनट बाद पिएं। लाभ होने तक यह प्रयोग करें। बहुत ही लाभप्रद प्रयोग है।

किडनी पेन अर्थात वृक्क शूल मीठे नीम की जड़ का ताजा रस दस मिलीलीटर की मात्रा में पीने से आराम मिलता है।

भोजन के पोषक तत्वों को बचाएं

बेशक आप अत्यन्त स्वादिष्ट भोजन बनाती होंगी जिन्हें परिजन चटखारे लेकर खाते भी होंगे, लेकिन क्या वह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ उतना पोषक भी है? कहीं अनजाने में ही आप उसके पोषक तत्वों को नष्ट तो नहीं कर रहीं? भोजन को तैयार होने तक कुछ निश्चित प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी स्तर पर उसके पोषक तत्व नष्ट न हों। इसके लिए आपको निम्नांकित बातें ध्यान में रखनी होगी।

■ आटा थोड़ा मोटा पिसवाएं।
■ आटे को चोकोर सहित काम में लें।
■ चावल बनाने हेतु उतना ही पानी लें, जितना उसे पकने के लिए जरूरी हो।
■ जिन मोटे अनाजों को पानी में भिगोकर रखा जाता है, उन्हें उसी पानी में पकाएं।
■ सब्जियाँ पकाने में उतना ही पानी लें, जितना आवश्यक हो।
■ सब्जियों को काटने या छीलने के पूर्व धोएं, बाद में नहीं।
■ सब्जियों के गट्टे बड़े रखें, छोटे नहीं।
■ सब्जियों के पतले छिलके उतारें, मोटे नहीं।
■ सब्जियाँ कम चौड़े बर्तन में ढककर पकाएं।
■ सब्जियों को सदैव धीमी आँच पर पकाएं।
■ बेहतर होगा दाल, सब्जी, प्रेशर कुकर में पकाएं।
■ सब्जियाँ बार-बार गर्म न करें।
■ सब्जियाँ पकाने में मीठा सोडा आदि न डालें।
■ गाजर, मूली, टमाटर, खीरा, पत्तागोभी आदि को सलाद के रूप में इस्तेमाल करें।
■ गाजर का ऊपरी भाग, प्याज का पीला भाग, बंदगोभी के बाहरी पत्ते, मूली के पत्ते आदि को फेंके नहीं।
■ मूंग, मोठ, मटर, चने आदि को अंकुरित कर इस्तेमाल करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

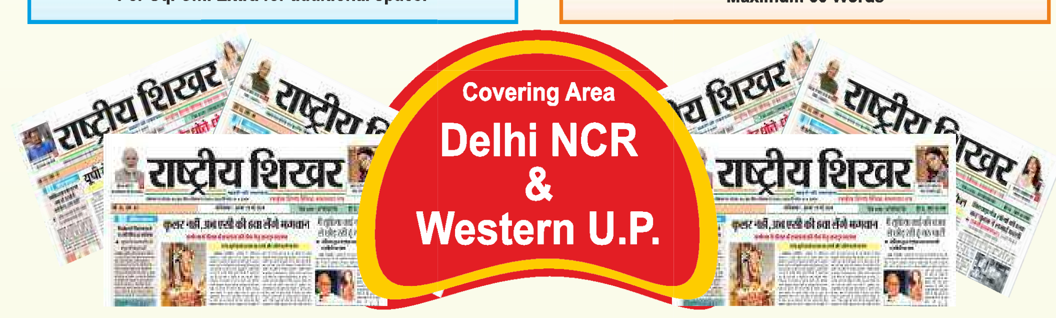

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी...

रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के लिए केप टाउन पहुंचीं फरहाना भट्ट के लिए यह सफर सिर्फ खतरनाक स्टंट्स का नहीं बल्कि खुद से लड़ाई का भी था। खास बातचीत में उन्होंने उस पल को याद किया, जब एक स्टंट के दौरान सब कुछ छोड़कर भारत लौटने तक का मन बना लिया था।

रोहित शेट्टी भी रह गए थे हैरान

शो का पहला ही स्टंट फरहाना को उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले गया। वह कहती हैं, 'पहला स्टंट ही मेरे कंफर्ट जोन से बहुत बाहर था। मुझे खुद नहीं पता था कि मैं वो स्टंट कर भी पाऊंगी या नहीं। लेकिन जब मैंने उसे पूरा किया तो रोहित सर भी थोड़ा सरप्राइज थे। वो स्टंट मेरी पहुंच और मेरे कंफर्ट जोन, दोनों से बहुत बाहर था।'

उस पल लगा कि मुझे इंडिया वापस जाना है

फरहाना उस भयावह पल को याद करते हुए कहती हैं, 'एक दिन ऐसा आया था, जब स्टंट के दौरान मेरी जिंदगी का सबसे डरावना पल सामने आया। उस वक्त मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि बस अब मुझे इंडिया वापस जाना है। मुझे घर जाना है। कुछ पल के लिए मैं पूरी तरह घबरा गई थी। सच कहूं तो उस वक्त लगा कि अब मुझसे नहीं होगा।'

'खतरों के खिलाड़ी' भी मेरा डर खत्म नहीं कर पाया

जहां कई प्रतियोगी कहते हैं कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनका डर खत्म कर दिया, वहीं फरहाना का जवाब बिल्कुल अलग है। वह साफ कहती हैं, 'मेरा कोई भी फियर दूर नहीं हुआ। मेरे सारे फियर आज भी बरकरार हैं।'

अब छोटी-छोटी बातों पर हंसी आती है

फरहाना आगे कहती हैं, 'एक बड़ा बदलाव शो कारण जरूर आया है। अब मुझे लगता है कि मैं जिंदगी में उन हालात से गुजर चुकी हूं, जहां इंसान मौत के बहुत करीब पहुंच जाता है। इसलिए अब लाइफ में कुछ भी होता है तो मैं उसे बहुत शांत होकर देखती हूं। कई बार तो कुछ परिस्थितियों पर हंसी भी आ जाती है कि अच्छा यह सब हो रहा है, चलो ठीक है।'

रुबिना और करण ने साथ दिया

फरहाना बताती हैं कि शो में रुबिना और करण ने सबसे ज्यादा साथ दिया। वह कहती हैं, 'वैसे तो सभी लोगों ने मुझे सपोर्ट किया, लेकिन अगर नाम लेने हों तो मैं रुबिना और करण का नाम लूंगी। दोनों ने पूरे सफर में मेरा साथ दिया।' साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग देने की बारी आई तो फरहाना ने सबसे पहले अपना ही नाम लिया।

वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर उन्होंने किसी का नाम लेने से इनकार कर दिया। 'अंडररेटेड' के लिए उन्होंने अपना और ओरी का नाम लिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए खुद को चुना, जबकि सबसे बड़े एंटरटेनर का टैग हर्ष गुजराल को दिया।

बिग बॉस से ज्यादा मुश्किल है 'खतरों के खिलाड़ी'

'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' की तुलना पर फरहाना कहती हैं, 'खतरों के खिलाड़ी ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि यह शो आपको सिर्फ फिजिकली नहीं मेंटली भी बहुत थका देता है। जब तक आप मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे, तब तक स्टंट कर ही नहीं सकते हैं। हर स्टंट में आपका दिमाग और शरीर दोनों सौ फीसदी काम करते हैं। इसलिए मेरे लिए 'खतरों के खिलाड़ी' ज्यादा थका देने वाला शो रहा।'

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म में विलेन के किरदार में होंगे जैकी श्रॉफ

निर्देशक वामशी पैदिपल्ली के साथ सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'SVC63' की चर्चा बढ़ती जा रही है। एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि बॉलीवुड का एक और मशहूर चेहरा इस फिल्म से जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जैकी श्रॉफ, सलमान खान और नयनतारा स्टारर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैकी ने शुक्रवार को मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक अहम रोल में नजर आएंगे। चर्चाओं के उलट, वह विलेन का रोल नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। दावा यह भी है कि राहुल देव, अभिमन्यु सिंह और अरविंद स्वामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में शूटिंग का शेड्यूल अगस्त के आखिर तक खत्म होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम छोटे से शेड्यूल की शूटिंग के लिए यूरोप जाएगी।

क्या अनिल कपूर निभाएंगे रोल

दिलचस्प बात यह है कि पहले ऐसी खबरें थीं कि अनिल कपूर फिल्म में एक अहम रोल निभाएंगे। हालांकि, इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब जैकी श्रॉफ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबरों के बीच, यह साफ नहीं है कि क्या उन्होंने वही रोल लिया है जो पहले अनिल कपूर से जुड़ा था।

ईद पर आ सकती है फिल्म

फिलहाल 'SVC63' के नाम से जानी जा रही यह फिल्म अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में आ सकती है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है, खासकर इसलिए क्योंकि सलमान बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई फ्लॉप फिल्मों के बाद वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

'SVC63' के अलावा, सलमान के पास 'मातृभूमि' भी पाइपलाइन में है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रोडक्शन पहले ही पूरा हो चुका है। इसे शुरू में अप्रैल में रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया।

भोजपुरी सिनेमा में आउटसाइडर होने पर काजल राघवानी का छलका दर्द

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री काजल राघवानी इन दिनों चर्चित रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में दिए गए विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उन्हें इंडस्ट्री में कई बार 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' कहकर अलग महसूस कराया गया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री के नामी लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इंडस्ट्री के कई लोगों ने उन्हें बाहरी महसूस करवाया। साथ ही, ये भी इल्जाम लगया कि वे लोगों से रो-रोकर काम मांगती हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने नोट पर किसी का नाम नहीं लिया। अभिनेत्री ने जारी किए गए नोट पर लिखा, 'मैं गुजराती और आउटसाइडर हूं, रो-रोकर सभी से काम मांगती हूं। साथ ही, हमदर्दी ले रही हूं। इन कुछ दिनों में हमारे दर्शकों से जितना मैंने नहीं बोला उससे ज्यादा तो लोगों ने मुझे एहसास करवा दिया गया।

अभिनेत्री ने बताया कि वे यूपी, बिहार को अपनी कर्मभूमि मानती हैं। साथ ही, उन्होंने भोजपुरी दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, 'मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है, तो मुझे इसका सबूत चाहिए कि मैंने कहा बोला है। साथ ही, ये मेरी कर्म भूमि है, मैं हमेशा इस इंडस्ट्री और यहां की जनता की शुक्रगुजार रहूंगी कि उन्होंने मुझे ढ़ेर सारा प्यार दिया और यहां तक पहुंचाया।

उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैं यहीं कि रहने वाली हूं, मैंने यहां की हर चीज अपनाई है। 16 साल भोजपुरी इंडस्ट्री में काम किया है और मैं कहना चाहूंगी कि अगर मैंने यहां की जनता, मिट्टी और धरती को तहे दिल से नहीं अपनाया होता, तो इतने सालों तक इंडस्ट्री में काम ही नहीं कर पाती और न ही मुझे कोई यहां पर काम देता। अभिनेत्री ने सभी को वॉर्निंग देते हुए कहा कि अब उन्हें आउटसाइडर कहना बंद कर दें। उन्होंने लिखा, 'अब कुछ लोग मुझे ये सुनाना बंद कर दें कि मैं एक आउटसाइडर हूं या आउटसाइडर का विक्टिम कार्ड खेल रही हूं, लोगों से हमदर्दी या रो-रोकर काम ले रही हूं। मैं तो नहीं मान रही कि मैं आउटसाइडर हूं, लेकिन हां, मुझे ये एहसास करवाया जा रहा है कि मैं बाहरी हूं। क्योंकि आप लोग यूपी बिहार से हैं।'

'सतलुज' विवाद पर जिमी शेरगिल की प्रतिक्रिया

फिल्म 'सतलुज' पर हाल ही में जिमी शेरगिल ने अपना रिएक्शन दिया है। इस फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो अभिनेता ने कहा कि इतिहास के राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर को दिखाने वाली फिल्में अक्सर मुश्किलों में पड़ जाती हैं, क्योंकि वे छिपे हुए सच सामने लाती हैं। इससे चीजें अपने आप पेचीदा और राजनीतिक हो जाती हैं।

जिमी शेरगिल ने क्या कहा?

संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म 'सतलुज' रिलीज क्यों नहीं हो पाई, जबकि इसी तरह के विषय पर बनी उनकी अपनी पहली फिल्म 'माचिस' को काफी सराहा गया था। जिमी शेरगिल ने इसका दिलचस्प जवाब दिया। फिल्म 'सतलुज' रिलीज विवाद को लेकर शेरगिल शेरगिल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'राजनीति होती है और हमेशा होती रहेगी, लेकिन जब ऐसे मुद्दों को उठाया जाता है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे हर पहलू खुलकर सामने आता है। जब आप संवेदनशील मामलों के किसी एक पहलू को भी छूते हैं, तो दूसरे छिपे हुए पहलू भी सामने आ जाते हैं। तो, यही इसकी राजनीति है'।

जी5 से हटाई गई सतलुज

बता दें कि एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' पिछले महीने भारत में रिलीज हुई थी, लेकिन सिर्फ दो दिन बाद ही यह भारत में इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं रही। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी पर बनी यह फिल्म तीन साल से ज्यादा समय तक सेंसरशिप में फंसी रही और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसमें 127 से ज्यादा कट लगाने को कहा था।

भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनीं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल और भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। स्क्रीन पर शानदार परफॉर्मेंस देने से लेकर एक कामयाब कारोबारी बनने तक इस अभिनेत्री ने फिल्मों से आगे बढ़कर अपना प्रभाव बढ़ाया है।

उनकी बढ़ती लोकप्रियता अब लेटेस्ट सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग में भी दिखाई दी है, जिसमें वह भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनकर उभरी हैं। क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, आलिया ने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसी स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए देश का सबसे वैल्यूएबल महिला सेलिब्रिटी ब्रांड का स्थान हासिल किया है। जहां शाहरुख खान ने ओवरऑल रैंकिंग में टॉप स्थान बनाए रखा, वहीं आलिया ने 93.9 मिलियन (लगभग 892 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ छठा स्थान हासिल किया। उनकी रैंकिंग उन्हें कई बड़े पुरुष एक्टर्स से भी आगे रखती है। इनमें उनके पति रणबीर कपूर भी शामिल हैं, जो 80 मिलियन (लगभग 761 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ 10वें स्थान पर हैं। टॉप 10 में शामिल होने वाली दूसरी महिला सेलिब्रिटी दीपिका पादुकोण हैं। वह 89.2 मिलियन (लगभग 849.35 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यू के साथ सातवें स्थान पर हैं। आलिया की लगातार तरक्की सिर्फ फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस की वजह से नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में, एक्ट्रेस ने बॉक्स ऑफिस हिट्स से लेकर कारोबार में भी अपनी खास पहचान बनाई है। वह कई ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं।

बनाया अपना ब्रांड

आलिया भट्ट ने बच्चों और माताओं के लिए अपना एक ब्रांड शुरू किया है। उन्होंने कुछ स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। आलिया भट्ट ने फिल्म प्रोडक्शन के जरिए एक्टिंग के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी अपनी काबिलियत साबित की है।

इश्क विश्क रिबाउंड के बाद नये सफर पर पश्मीना रोशन

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक रेमो डिसूजा की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट लगातार मजबूत होती जा रही है। नुसरत भरुचा के बाद अब खबर है कि पश्मीना रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में प्रमुख महिला किरदारों में से एक निभाएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी।

फिलहाल निर्माताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है।

पश्मीना रोशन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी 'इश्क विश्क रिबाउंड' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में आधुनिक रिश्तों, दोस्ती और युवा प्रेम की जटिलताओं को दिखाया गया था। फिल्म में पश्मीना ने रिया का किरदार निभाया था। इसके अलावा कलाकारों में आकर्ष खुराना, शिल्पा विशाल शेट्टी, सुप्रिया पिलगांवकर, शताफ फिगार, अनीता कुलकर्णी समेत कई कलाकार शामिल थे। अब इस नई एक्शन फिल्म के जरिए पश्मीना रोशन रोमांटिक फिल्मों से अलग एक नए अंदाज़ में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। साथ ही, पहली बार उनकी जोड़ी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

कोलंबिया भूकंप : मलबे से निकली उम्मीद, फिर मौत की आगोश में

कोलंबिया (एजेंसी)। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने अब तक 290 से अधिक लोगों की जान ली है, जबकि करीब 4,000 घायल हुए हैं। सैकड़ों लोग लापता हैं, और बचावकर्मी लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं। इस भीषण त्रासदी के बीच, 32 वर्षीय डेनिएला लार्गो की कहानी ने पूरे देश को एक पल की उम्मीद दी थी। मलबे में करीब 37 घंटे तक फंसी रहने के बाद, उन्हें परेरा शहर में सुरक्षित बाहर निकाला गया था। उनके सकुशल निकलने पर लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की थी, और वे कोलंबिया के लिए एक उम्मीद की किरण बनी थीं। हालांकि, यह खुशी अल्पकालिक साबित हुई। शुक्रवार (14 अगस्त) को गंभीर चोटों के कारण डेनिएला का निधन हो गया। वे अपने पीछे एक 12 वर्षीय बेटा छोड़ गई हैं। उनकी मां ने बताया, मैं बस यही चाहती हूं कि यह सब जल्द खत्म हो जाए। डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, अभी भी 320 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी है। भूकंप से 86 इमारतें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 1500 से ज्यादा घरों, 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को नुकसान पहुंचा है। देशभर में सात हवाई अड्डों पर परिचालन रोक दिया गया है और पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी है। राष्ट्रपति ने राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के लिए आपातकालीन समिति की बैठक बुलाई है।

करीबा झील में नाव डूबी, 72 की मौत, 18 बच्चे भी शामिल

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे की करीबा झील में हुए नौका हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हुई है, जिसमें हाल ही में 26 और शव बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 18 बच्चे भी शामिल हैं। तेज लहरों के कारण यह पुरानी नौका पलट गई थी। यह नौका करीबा शहर से ग्रामीण इलाकों और मछुआरा समुदायों की बस्तियों की ओर जा रही थी, जहाँ सड़कें क्षतिग्रस्त हैं और सार्वजनिक परिवहन के साधन बहुत कम हैं। अनुमान है कि नौका में 153 यात्री सवार थे, जबकि प्राधिकारियों के अनुसार इसकी क्षमता केवल 90 यात्रियों की थी। जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि 77 लोगों को बचाया गया है। हालांकि, प्राधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि नौका में कुल कितने लोग सवार थे या कितने लोग लापता हैं। मृतकों में शामिल बच्चों में 16 की उम्र 10 वर्ष या उससे कम थी, और सबसे छोटा बच्चा मात्र एक वर्ष का था।

दक्षिणी लेबनान पर इजराइल ने किए हवाई हमले, 7 लोगों की मौत

बैरूत (एजेंसी)। दक्षिणी लेबनान पर शनिवार तड़के हुए इजराइल के हवाई हमले में सात आम लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने जानकारी देते हुए बताया कि बचावकर्मी और चिकित्सक अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह हवाई हमला 26 जून को लेबनान और इजराइल के बीच घोषित ''फ्रेमवर्क समझौते'' के बाद से सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इस समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की वापसी के बदले ईरान समर्थित हिज्बुल्ला संगठन को निरस्त्र करने की योजना तय की गई थी।

पहले 900 लोगों को नौकरी से निकाला, अब खुद तलाश रहे जॉब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की ऑनलाइन मॉर्गेज कंपनी बेटर डॉट कॉम के संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल गर्ग एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गए हैं। करीब पांच साल पहले उन्होंने एक वीडियो मीटिंग के जरिए एक झटके में करीब नौ सौ कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया था, जिसके बाद उनके कामकाज के तरीके और फैसले की वैश्विक स्तर पर भारी आलोचना हुई थी। अब समय का पहिया ऐसा घूमा है कि हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। जिस कंपनी की कमान कभी पूरी तरह विशाल गर्ग के हाथों में थी, उसी कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से हटा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि अब विशाल गर्ग अपनी वही पुरानी कुर्सी वापस पाने के लिए वकीलों के माध्यम से कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इसी बीच खुद के लिए जॉब की तलाश भी करने में जुटे है।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अमेरिका ने हटाया अंतिम विमानवाहक पोत , अब चीन ने उड़ाया मजाक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रशासन ने ईरान के साथ जारी संघर्ष और मध्य पूर्व में चल रहे सैन्य अभियानों को प्राथमिकता देते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र से अपने अंतिम विमानवाहक युद्धपोत को भी वापस बुला लिया है। इस सामरिक बदलाव पर चीन ने खुली प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्र के कई एशियाई सहयोगी देशों का मजाक उड़ाया है और कटाक्ष किया है कि अमेरिका ने उन्हें धोखा दे दिया है। जानकारी के अनुसार, यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन नामक इस युद्धपोत को अब मध्य पूर्व में तैनात यूएसएस अब्राहम लिंकन के स्थान पर भेजा गया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद पश्चिमी प्रशांत महासागर में अमेरिका का एक भी विमानवाहक पोत मौजूद नहीं है, जिससे ताइवान, जापान और फिलीपींस जैसे एशियाई सहयोगी देशों की सुरक्षा चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी व्यापक सैन्य अभियानों और तनाव के कारण अमेरिकी नौसेना के जहाजों और सैनिकों पर अत्यधिक दबाव बन गया है। निरंतर समुद्री तैनाती के चलते सैनिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उसके दावों के बिल्कुल विपरीत है, जिसका सीधा फायदा उठाते हुए चीन क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

यूक्रेन का रुस पर बड़ा हमला, रोसकॉसमॉस से जुड़ा समारा सेंटर क्षतिग्रस्त

-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए

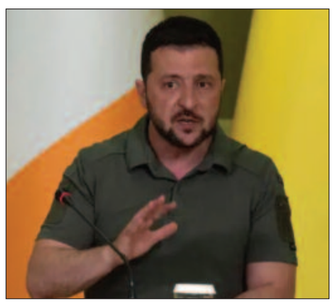

मास्को (एजेंसी)। रूस के दक्षिण-पश्चिमी समारा क्षेत्र में शनिवार को यूक्रेन ने बड़ा हमला किया, जिसमें औद्योगिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रूस के एक अधिकारी ने बताया कि वायु रक्षा बलों ने ÷बड़े पैमाने पर÷ मिसाइल हमले को विफल कर दिया, हालांकि शहर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ÷स्थानीय स्तर पर नुकसान÷ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों को चिकित्सा सहायता दी, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के हवाई हमले तेज कर दिए हैं। उसका मकसद युद्ध के लिए मॉस्को के राजस्व में कटौती करना और रूस के लोगों को हमले के परिणामों का एहसास कराना है। रुस-यूक्रेन युद्ध पांचवें साला में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी बलों ने समारा स्थित प्रोग्रेस सेंटर पर हमला किया। यह रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस के तहत काम करता है और रॉकेट प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि इस प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन में निर्मित फ्लेमिंगो मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। यह स्थान यूक्रेन की सीमा से करीब 900 किलोमीटर दूर है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अग्रिम मोर्चे से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित रूस के सावास्लेइका हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया गया है। जेलेंस्की ने लिखा- शांति की जरूरत है और यह रूस में साफ तौर पर दिखाई देना चाहिए। विशिष्ट प्रतिष्ठानों को ठोस नुकसान के जरिए। यूक्रेन के अधिकांश हमलों की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से कम है, लेकिन इस साल उसके लंबी दूरी के हमलों में काफी वृद्धि हुई है।

स्वतंत्र संघर्ष निगरानी संस्था एसीएलईडी के आंकड़ों के मुताबिक यूक्रेन ने जुलाई में इस तरह के हमले जनवरी की तुलना में तीन गुना ज्यादा कर दिए हैं। रूस के अंदर दूर तक बार-बार किए जा रहे हमलों के कारण रूसी सेना को बड़े क्षेत्र में अपनी वायु रक्षा व्यवस्था तैनात करनी पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने रूस के 19 क्षेत्रों के अलावा काला सागर, आजोव सागर और रूस द्वारा कब्जे में लिए गए यूक्रेनी क्षेत्र क्रीमिया के ऊपर यूक्रेन के 598 ड्रोन मार गिराए। स्थानीय अधिकारी आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि वहीं, मॉस्को क्षेत्र के शातुरा शहर में यूक्रेनी ड्रोन हमले में एक निजी मकान को निशाना बनाए जाने से दो लोग घायल हुए। उन्होंने बताया कि घायलों में नौ साल का एक बच्चा भी शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दूसरी ओर, दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में शनिवार को एक अपार्टमेंट पर रूस के हमले में तीन महीने के एक बच्चे की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। दि्नप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने कहा कि मारहानत्स शहर में इमारत को ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने शनिवार को देश पर 152 ड्रोन दागे, जिनमें से 124 को नष्ट कर दिया गया।

बेल्जियम में खुदाई में मिला 900 करोड़ का सोना, मजदूरों की आंखें खुली रह गई

बेल्जियम। बेल्जियम में सीवर लाइन की खुदाई कर रहे एक 18 वर्षीय मजदूर सहित उसके साथियों को जमीन के नीचे छिपा करीब 9 मिलियन यूरो भारतीय मुद्रा में (लगभग 900 करोड़ रुपये) का सोना मिला है। यह घटना ब्रसेल्स से करीब 30 किलोमीटर दूर सिंट-गिलिस-डेंडरमोंडे में एक पुरानी शराब बनाने की फैक्ट्री के परिसर में हुई। मजदूरों को शुरुआत में कुछ सिक्के दिखाई दिए. जिन्हें उन्होंने सामान्य एक यूरो के सिक्के समझा। आगे खुदाई करने पर सोने की ईंटें और सिक्के मिलने लगे। जांच में पता चला कि सोना एक पुराने भवन की तहखाने की दीवार में ईंटों के पीछे छिपाकर रखा गया था। खजाने में सोने के सिक्कों के अलावा नंबर वाले गोल्ड बार भी शामिल हैं। मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पूरा खजाना सुरक्षित सरकारी भंडार में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने सोने के असली मालिक और उसके स्रोत की जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं सोना चोरी या किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ा तो नहीं है। बेल्जियम कानून के तहत संभावित दावेदारों को अपना अधिकार जताने के लिए पांच वर्ष का समय मिलता है। अभी कोई दावेदार सामने नहीं आया है।

ह्यूस्टन में गूंजा जय हिंद: भारतीय समुदाय ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

ह्यूस्टन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय समुदाय ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। भारतीय महावाणिज्य दूतावास परिसर में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह-सुबह पहुंचे लोगों के लिए परिसर को गेंदों की मालाओं और ध्वज के तीन रंगों की झालरों से खूबसूरती से सजाया गया था।

कार्यक्रम का आरंभ उपस्थित लोगों द्वारा एक स्वर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से हुआ। इसके बाद फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच ध्वजारोहण हुआ और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान जन गण मन गाया। महावाणिज्य दूत डी. सी.मंजूनाथ ने ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्र के नाम दिए संबोधन को पढ़ा। उन्होंने समुदाय को भारत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया और विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

समारोह में देशभक्ति गीतों का गायन हुआ, विकसित भारत विषय पर विशेष रूप से तैयार चित्रों की प्रदर्शनी लगी और भारत को जानिए प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की कुलाधिपति रेणु खटोर, फोर्ट बेंड काउंटी के न्यायाधीश डेनियल वोंग, हैरिस काउंटी की आयुक्त लेस्ली ब्रियोनेस सहित कई निर्वाचित अधिकारियों और नगर निकाय संगठनों के प्रमुखों ने भी भाग लिया। महावाणिज्य दूतावास में कार्यक्रम के बाद, मंजूनाथ ने इंडिया हाउस ह्यूस्टन स्थित ओ. पी. जिंदल सेंटर में आयोजित अन्य समारोह में भी भारतीय समुदाय के नेताओं और सदस्यों के साथ भाग लिया।

इंडोनेशिया में फिर आया 6.5 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं; अब तक 47 मौतें

-समुद्र का पानी पीछे हटा तो भागने लगे लोग, सुरक्षित जगह पर रहने की अपील

जकार्ता, (एजेंसी)। इंडोनेशिया में शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसके करीब 17 घंटे बाद रात को 6.0 तीव्रता का फिर झटका लगा। इससे पहले शाम को 6.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया था। भूकंप के तेज झटकों से कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और कई इमारतें जमींदोज हो गईं। अब तक 47 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप के बाद नागेकेओ इलाके में समुद्र का पानी अचानक पीछे हट गया। इसे सुनामी का संकेत मानकर लोग घबराकर ऊंची जगहों पर भागने लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिकि शुरुआत में कई तटीय इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी जिसे कुछ घंटे बाद हटा लिया गया। फिलहाल लोगों से सुरक्षित जगह पर रहने को कहा गया है। पहले भूकंप के बाद इलाके में कई आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए। अधिकारियों ने लोगों से कहा कि वे फिलहाल क्षतिग्रस्त इमारतों में वापस न जाएं, क्योंकि तेज भूकंप के झटके आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ इमारतें गिरती और क्षतिग्रस्त होती दिखाई दे रही हैं। कई लोग भूकंप के बाद घरों और इमारतों से बाहर निकलते नजर आए। हालांकि, इन वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक सिक्का के सेंट पीटर मेजर सेमिनरी में सुबह की प्रार्थना चल रही थी, तभी सभा भवन की छत का एक हिस्सा गिर गया। छात्र और नन घबराकर बाहर भागे। उन्होंने बताया कि जान बचाने की कोशिश में एक पादरी दूसरी मंजिल से कूद गए, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। भूकंप के बाद एहतियात के तौर पर कई अस्पतालों से मरीजों को बाहर निकालना पड़ा। टीवी चैनलों की तस्वीरों में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों को स्ट्रेचर पर बाहर ले जाते दिखे। अस्पतालों के बाहर बिस्तर, आईवी स्टैंड और ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए। कई जगह खुले में ही अस्थायी इलाज शुरू किया गया।

बता दें इंडोनेशिया करीब 17,500 द्वीपों का देश है। ये द्वीप प्रशांत महासागर के उस इलाके में हैं, जिसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। यहां धरती के नीचे कई बड़ी भूगर्भीय प्लेटें मिलती हैं। ये प्लेटें लगातार खिसकती रहती हैं। जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं या एक प्लेट दूसरी के नीचे चली जाती है, तो धरती के अंदर जमा दबाव अचानक बाहर निकलता है। इससे भूकंप आता है।

इंडोनेशिया के आसपास समुद्र के नीचे भी ऐसी हलचल अक्सर होती रहती है। अगर समुद्र के नीचे तेज भूकंप आए और उससे समुद्र का पानी अचानक ऊपर-नीचे हो जाए, तो सुनामी आ सकती है।

इसी वजह से इंडोनेशिया में भूकंप, सुनामी और ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा दुनिया के कई दूसरे देशों के मुकाबले ज्यादा रहता है।

तालिबान की पाबंदी: 22 लाख लड़कियों का भविष्य और दुनिया की चुप्पी

काबुल (एजेंसी)। अगस्त 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों को कक्षा छह से आगे की शिक्षा से वंचित किया है। यह प्रतिबंध अब तक नहीं हटा है, इससे अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है जहाँ लड़कियों और महिलाओं को माध्यमिक और उच्च शिक्षा से रोका गया है। करीब 22 लाख किशोरियाँ 1,800 दिनों से माध्यमिक शिक्षा से वंचित हैं।

इस पाबंदी के गंभीर परिणाम सामने आए हैं। यूनिसेफ के अनुसार, इन प्रतिबंधों से 2030 तक अफगानिस्तान में 20,000 महिला शिक्षकों और 5,400 स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। आर्थिक मोर्चे पर देश को हर साल अनुमानित 8.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो रहा है। सितंबर 2025 से तालिबान ने संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों में भी अफगान महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा दी, और जनवरी 2026 में महिला सरकारी कर्मचारियों का कम किया गया वेतन भी बंद कर दिया गया।

इन पाबंदियों के बावजूद, अफगान महिलाएँ लगातार 'रोटी, काम, आज़ादी' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन करती रही हैं, हालाँकि उन्हें गिरफ्तारियों और यातनाओं का सामना करना पड़ा है। जहाँ खुले विरोध खतरनाक हो गए हैं, वहाँ महिलाओं ने घरों में भूमिगत स्कूलों का अनौपचारिक नेटवर्क बनाकर लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है। मुझे सबसे ज्यादा परेशान यह बात करती है कि 1996 में भी ऐसी ही पाबंदी देखी गई थी, लेकिन इस बार दुनिया की विफलता जागरूकता की कमी के कारण नहीं है। हर कोई जानता है कि क्या हो रहा है, फिर भी तालिबान को इसकी कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में दोहा प्रक्रिया तालिबान से वार्ता कर रही है, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पुनः शामिल करना है। हालांकि, तालिबान के आग्रह पर महिलाओं और अफगान नागरिक समाज के समूहों को इन मुख्य वार्ताओं से बाहर रखा गया है। मेरी पीढ़ी के लिए स्थितियाँ बदल गई थीं, लेकिन इस पीढ़ी के लिए भी ऐसा होगा, इसकी गारंटी नहीं। अफगान महिलाएँ पिछले पाँच साल से लगातार संघर्ष करके यह दिखा रही हैं कि वे इस प्रतिबंध को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।

ईरान ने कहा- होर्मुज छोड़िए खुद की सुरक्षा करे अमेरिका

-अमेरिका ने कहा था होर्मुज की करेंगे सुरक्षा

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण स्थापित करने से जुड़े दावे के बाद ईरान और अमेरिका के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। ट्रंप ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान बयान दिया था कि ईरान को पूरी तरह परास्त करने के बाद अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को अपने क्षेत्र के रूप में घोषित करने की योजना रखता है। इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिकी नेतृत्व को इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य पर बेबुनियाद दावे करने के बजाय अपनी खुद की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में फिर से किसी कैटरिंग ट्रक में छिपने जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

ईरान की ओर से यह तीखा ताना पिछले दिनों तुर्की दौरे से जुड़ी एक चर्चित मीडिया रिपोर्ट के संदर्भ में मारा गया है। दरअसल, कुछ समय पहले नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अंकारा से रवाना होते समय ट्रंप को लेकर सुरक्षा कारणों से रणनीति बदली गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, उस वक्त एक बड़े विमान का उपयोग लोगों और मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए किया गया था, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति को एक कैटरिंग यानी खाने वाले ट्रक के जरिए गुप्त रूप से दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया था। इस वाकये की याद दिलाते हुए ईरानी नेताओं ने अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नियंत्रण के दावे को ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने भी पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते पर किसी भी सोशल मीडिया पोस्ट, युद्धपोत की तैनाती या चुनावी भाषण के बल पर कब्जा नहीं किया जा सकता। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान किसी भी प्रकार की विदेशी धमकी या शक्ति प्रदर्शन से डरने वाला नहीं है। वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिहाज से यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम रास्तों में गिना जाता है, यही वजह है कि यहां जरा सा तनाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में खलबली मचा देता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप का वह बयान केवल एक मजाक के रूप में दिया गया था। इसके बावजूद, ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज के सामरिक महत्व को लेकर चल रही इस तनातनी ने मध्य पूर्व में कूटनीतिक हलचल को काफी बढ़ा दिया है। दोनों पक्षों की ओर से आ रहे इन तीखे बयानों को भविष्य के रणनीतिक संघर्षों और क्षेत्रीय तनाव के रूप में देखा जा रहा है।

साल 2028 में पृथ्वी पर आएंगे एलियंस, टाइम ट्रेवलर का दावा

लंदन (एजेंसी)। हाल ही में डैरिल डीन नाम के एक शख्स ने खुद को साल 2033 से आया टाइम ट्रेवलर बताते हुए सनसनीखेज भविष्यवाणियां की हैं। डैरिल डीन का दावा है कि उसके पास भविष्य में होने वाली घटनाओं की एक पूरी टाइमलाइन मौजूद है और उसकी भविष्यवाणियां आने वाले समय में हर हाल में सच होकर रहेंगी। उसने पैरानॉर्मल रिसर्च से जुड़े लोकप्रिय एक टीवी चैनल पर बात करते हुए अपने दावों को सही ठहराने के लिए कई भविष्यवाणियों के बारे में बताया है।

डैरिल डीन का कहना है कि वह मूल रूप से साल 2033 का रहने वाला है और थोड़े समय के लिए ही वर्तमान समय में आया था। उसने कहा कि वह दुनिया के हर इंसान को यह समझाने नहीं आया है कि वह सच बोल रहा है, बल्कि वह सिर्फ उन लोगों से बात करना चाहता है जो उसकी बात को गंभीरता से सुनने के लिए तैयार हैं। कथित टाइम ट्रेवलर के अनुसार, भविष्य में कोई भी बड़ा या विनाशकारी युद्ध नहीं होगा। उसने दावा किया कि साल 2028 में एलियंस पृथ्वी पर आएंगे और वे अपने साथ शांति और समृद्धि का एक नया दौर लेकर आएंगे। एलियंस के आने के बाद इंसानों को यह अहसास होगा कि वे आपस में एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, जिससे पूरा विश्व एकजुट हो जाएगा और सभी मतभेद समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा डीन ने यह भी कहा कि 2033 तक दुनिया के सभी मौजूदा धर्म खत्म हो जाएंगे और पूरी मानव जाति सिर्फ एक धर्म को मानेगी।

हालांकि, इस शख्स ने नए धर्म के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया कि वह कैसा होगा या उसके सिद्धांत क्या होंगे। टाइम ट्रैवल की तकनीक को लेकर भी डैरिल डीन ने एक खुलासा किया है। उसका कहना है कि साल 2028 में इंसानों के सामने टाइम ट्रैवल तकनीक के राज से परदा उठा दिया जाएगा और इसी साल दूसरे ग्रहों के जीवों यानी एलियंस की सच्चाई भी दुनिया के सामने आ जाएगी। यह दावा भविष्य में मानवता के लिए एक नई दिशा का संकेत देता है। डीन ने तकनीक का जिक्र करते हुए कहा कि 2019 के अंत में 5जी वायरलेस नेटवर्क शुरू हुआ था, जिसने इंटरनेट स्पीड को तीन गुना बढ़ा दिया था। वहीं, उसने दावा किया कि आने वाले सालों में 6जी इंटरनेट की तकनीक को पूरी दुनिया के लिए पूरी तरह से मुफ्त कर दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि दुनिया के हर देश और दूरदराज के इलाकों में लोगों को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलने लगेगी, जिससे सूचना और संचार का एक नया युग शुरू होगा।

हालांकि, इस यूट्यूब वीडियो को देखने वाले ज्यादातर यूजर्स कथित टाइम ट्रेवलर के इन दावों से बिल्कुल भी सहमत नजर नहीं आ रहे हैं। कई लोगों ने वीडियो पर कमेंट करते हुए इसे पूरी तरह से फर्जी और कल्पना बताया है। वहीं, अन्य लोगों ने इसकी तुलना पुराने कथित टाइम ट्रेवलर नोआ से करते हुए कहा कि उसकी भविष्यवाणियां गलत साबित होने के बाद वह गायब हो गया था, और यह शख्स भी उसी की तरह झूठ बोल रहा है। मालूम हो कि भविष्य की दुनिया कैसी होगी और आने वाले सालों में इंसानी सभ्यता में क्या बड़े बदलाव होंगे, इसे लेकर अक्सर नई-नई थ्योरीज और दावे सामने आते रहते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)